

Corporate Communications Directorate

TIMES OF INDIA

DELHI

14 DECEMBER 2025

Big spike: Mumbai logs 97 pvt, charter flights in a day

Manju.V@timesofindia.com

Mumbai: Even as IndiGo's curtailed operations have largely stabilised, passenger anxiety triggered by a week of cancellations and delays continues to be visible in skies over Mumbai. The clearest signal came on Friday, when the airport handled close to 100 charter and private aircraft movements in a single day — an unusually high number that suggests passengers are still hedging against uncertainty in the scheduled airline network.

"Mumbai airport handled 97 charter and other non-scheduled aircraft movements on Dec 12, forming nearly a tenth of the airport's total 1,024 movements," said an aviation source, citing AAI data. One movement refers to a take-off or a landing. On paper, the Mumbai runway was designed for around 20 non-scheduled operations a day. In reality, these numbers have climbed steadily over the years, with the airport now averaging 50-60 non-scheduled movements on most days, alongside regular airline traffic.



RUNWAY LIMIT: Mumbai airport's main runway is capable of handling 44 aircraft movements per hour

The busiest traffic window on Friday was between 4.30pm and 5.29pm, when total movements touched 52. This was followed by 8.30-9.29pm and 1.30-2.29pm, each recording 50 movements. These peak hours also saw the highest concentration of charter activity, with about 10 charter arrivals and departures combined during mid-afternoon and early evening, when business travel demand is strongest.

"The main runway is capable of handling 44 movements per hour. This is a logically and scientifically derived number. When controllers have to handle more than that regularly, it becomes extremely stressful," said an air traffic control official.



भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

AMAR UJALA

DELHI

14 DECEMBER 2025

रांची हवाई अड्डे पर विमान का पिछला हिस्सा रनवे से टकराया

रांची। झारखंड के रांची हवाई अड्डे पर शुक्रवार शाम एक बड़ा हादसा होने से उस समय बच गया जब इंडिगो के एक विमान का पिछला हिस्सा उतरते समय रनवे से टकरा गया। भुवनेश्वर से रांची पहुंचे इस विमान में करीब 70 यात्री सवार थे। रांची हवाईअड्डे के निदेशक विनोद कुमार ने बताया कि विमान रनवे से टकराने से यात्रियों को अचानक झटका लगा। हालांकि, सभी यात्री सुरक्षित हैं। हादसे में किसी को भी चोट नहीं आई है। घटना के बाद विमान को उड़ान भरने से रोक दिया गया, क्योंकि तकनीकी रूप से उसे उड़ान भरने के अयोग्य पाया गया था। ब्यूरो



रांची एयरपोर्ट पर खड़ा इंडिगो का विमान। एजेंसी



Corporate Communications Directorate

BUSINESS LINE

DELHI

14 DECEMBER 2025

GMR Airports (₹104.40)

Bounces off a support



The stock of GMR Airports has been on an uptrend since early October. But recently, it saw some moderation in price. The correction has now been arrested as ₹98 acted as a support following which the price rebounded.

Considering that the broader trend is also bullish, the likelihood of a rally from the current level is high. Therefore, we suggest buying the stock of GMR Airports at ₹104 and accumulate if the price dips to ₹100. Keep a stop-loss at ₹94. When the stock touches ₹112, alter the stop-loss to ₹100. On a rally to ₹118, raise the stop-loss further to ₹112. Book profits at ₹125.



भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

FREE PRESS JOURNAL

MUMBAI

13 DECEMBER 2025

Officials dart airport leopard

FPJ News Network

PUNE

A male leopard roaming Pune's airport premises since April has been successfully darted and captured on Friday, following a multi-agency operation.

The Forest Department led the effort with the RESQ Charitable Trust, the Indian Air Force and airport authorities. After months of tracking via cameras, the leopard was confined to an underground tunnel network on Dec 4.

A 30-member team executed a controlled drive on Dec 11. Wildlife veterinarian Dr Gourav Mangla tranquilised the animal in an 80-foot tunnel. "The operation demanded precision, patience and constant reassessment," Dr Mangla said.

The leopard is under observation at a transit centre in Bavdhan. Deputy Conservator of Forests Mahadev Mohite praised the inter-agency coordination. No human injuries or flight disruptions occurred.



भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

HINDUSTAN

DELHI

14 DECEMBER 2025

हिंडन एयरपोर्ट पर ट्रॉली गेट बनेगा

ट्रांस हिंडन। हिंडन एयरपोर्ट पर उड़ानों के बेहतर परिचालन के लिए पार्किंग के विस्तार के साथ एक ट्रॉली गेट भी बनाया जाएगा। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) के अध्यक्ष ने इसकी एनओसी के लिए रक्षा मंत्रालय को पत्र लिखा है। दोनों सुविधाओं के संबंध में पूर्व में वायुसेना और एयरपोर्ट के अधिकारियों की बैठक भी हुई थी। अगले साल फरवरी में उड़ानें बढ़ने की संभावना है। इसे देखते हुए एएआई ने जल्द मंजूरी देने का अनुरोध किया है।



भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

HINDUSTAN

DELHI

14 DECEMBER 2025

एयरपोर्ट के लिए 600 करोड़ मंजूर



नोएडा, प्रमुख संवाददाता। नोएडा प्राधिकरण की शनिवार को हुई बोर्ड बैठक में किसी महत्वपूर्ण प्रस्ताव पर मुहर नहीं लग सकी। हालांकि, नोएडा एयरपोर्ट जेवर के लिए 600 करोड़ रुपये के बजट को मंजूरी दी गई।

नोएडा प्राधिकरण की शनिवार को 220 वीं बोर्ड बैठक हुई। इसमें सात

पहले चरण का कार्य पूरा हो चुका

नोएडा एयरपोर्ट का पहला चरण 1334 हेक्टेयर में पूरा किया गया है। इनमें 3900 मीटर लंबा रनवे, एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) टावर और टर्मिनल बिल्डिंग शामिल है। दावा है कि एयरपोर्ट पर उड़ान से संबंधी सभी जरूरी काम पूरे हो चुके हैं और शेष अन्य कार्यों को तेजी से निपटाया जा रहा है। रनवे के उपकरणों की विमान उतारकर टेस्टिंग की जा चुकी है। वहीं, टर्मिनल बिल्डिंग में यात्री के चेक इन से लेकर बोर्डिंग तक की तैयारियों को परखा जा चुका है।

प्रस्ताव रखे गए। इनमें मुख्य रूप से यूनिफाइड पॉलिसी में बदलाव का था। बदलाव से संबंधित प्रस्ताव यह रखा गया कि दादा-दादी, नाना-नानी से मिलने वाली संपत्ति पर ट्रांसफर शुल्क न लिया जाए। इस प्रस्ताव पर बोर्ड के

सदस्यों ने निर्णय लिया कि इसको लेकर और अध्ययन किया जाए। इसके बाद इसे अगली बोर्ड बैठक में रखा जाए। गौतमबुद्ध विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह के लिए दिए गए पांच करोड़ के प्रस्ताव को मंजूरी को दी गई।



भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

HINDUSTAN TIMES

DELHI

14 DECEMBER 2025

FIA moves apex court challenging TDSAT's airport charges order

Press Trust of India

writers@hindustantimes.com

NEW DELHI: The Federation of Indian Airlines has moved the Supreme Court challenging an order of telecom tribunal over the principles for determination of aeronautical tariff in respect of airport operators.

The Federation of Indian Airlines (FIA) has challenged the July 1 order of the Telecommunications Dispute Settlement and Appellate Tribunal (TDSAT) saying the tribunal while passing the order has "gravely erred" in going far beyond the limited scope of remand directed by this court.

It said the tribunal has reopened and readjudicated issues relating to the computation of Hypothetical Regulatory Asset Base (HRAB), which had already attained finality by apex court's verdict dated July 11, 2022.

The FIA has filed an interven-

tion application in pending matters where the two operators of Delhi and Mumbai airports, the DIAL and MIAL, have challenged the tribunal's order.

"The impugned judgment not only suffers from legal error but also has grave financial consequences. By inflating HRAB to ₹4,848 crores, it grants DIAL an undue windfall, enabling perpetual recovery without commensurate investment.

"This burden will ultimately fall on airlines and passengers through higher airport charges, including landing, parking, and user development fees. The cascading effect is detrimental to consumer interest, contrary to cost-recovery principles, and inimical to the growth of the civil aviation sector," the plea said.

The FIA's plea will be taken up for hearing on December 16 by a bench of Justices Aravind Kumar and NV Anjaria, which is hearing the dispute.



भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

JAANSATTA

DELHI

14 DECEMBER 2025

हवाई अड्डा के लिए चिह्नित जमीन पर अवैध निर्माण, 28 ग्रामीणों पर मामला

जनसत्ता संवाददाता
नोएडा, 13 दिसंबर।

जेवर में नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के दूसरे चरण के लिए चिह्नित भूमि पर अवैध निर्माण करने के आरोप में 28 ग्रामीणों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

रवपुरा थाने में शुक्रवार को भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 223 (लोक सेवक द्वारा जारी कानूनी आदेश की अवज्ञा) और 329 (3) (आपराधिक अतिचार एवं गृह अतिचार), तथा लोक संपत्ति नुकसान निवारण अधिनियम, 1984 की प्रासंगिक धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की गई है। अधिकारियों के अनुसार, यह कार्रवाई रवपुरा थाना क्षेत्र के नागला हुकुम सिंह गांव में अवैध निर्माण को लेकर जिला प्रशासन की ओर से लेखपाल (राजस्व अधिकारी) प्रत्युष राही पाठक

द्वारा दी गई शिकायत के आधार पर की गई। शिकायत में बताया गया है कि नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा परियोजना के दूसरे चरण के लिए दवानंतपुर, वीरमपुर, मुधराह, रणहेरा, कुरैच और करौली बंगर गांवों में लगभग 1,182 हेक्टर भूमि के अधिग्रहण की प्रक्रिया जारी है।

अधिकारियों ने बताया कि वर्ष 2022 में जारी अधिसूचना के तहत अधिग्रहण प्रक्रिया पूरी होने तक गौतमबुद्ध नगर के जिलाधिकारी की पूर्व अनुमति के बिना अधिसूचित भूमि की बिक्री, खरीद या उस पर किसी भी प्रकार के नए निर्माण पर स्पष्ट रूप से रोक लगाई गई थी। पुलिस के अनुसार, प्रशासन द्वारा निर्माण कार्य रोकने के लिए बार-बार नोटिस जारी किए जाने के बावजूद ग्रामीणों ने भूमि अधिग्रहण और पुनर्वास नीति के तहत अनुचित लाभ प्राप्त करने के प्रयास में अनधिकृत निर्माण कार्य जारी रखा।



भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

NAVBHARAT TIMES

DELHI

14 DECEMBER 2025

हिंडन एयरपोर्ट पर बनाए जाएंगे दो ट्रॉली गेट

■ NBT रिपोर्ट, टीएचए : हिंडन एयरपोर्ट एक्सटेंशन को लेकर हो रही देरी पर अब एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के चेयरमैन ने भी मिनिस्टर ऑफ डिफेंस को पत्र लिखा है। उन्होंने कहा



चेयरमैन ने लिखा एमओडी को इस बाबत पत्र

कि एनओसी से संबंधित जो भी लेटर है वह संबंधित पोर्टल पर ऑनलाइन अपलोड कर दिया गया है। ऐसे में जल्द से जल्द अतिरिक्त जमीन मिलने से पैसेजर्स

के लिए कई अतिरिक्त सुविधाएं हिंडन एयरपोर्ट पर शुरू हो जाएंगी। जिसमें फ्लाइट पार्किंग के लिए अप्रैन के अलावा टर्मिनल के अंदर एक अतिरिक्त ट्रॉली गेट भी शामिल है।

वर्तमान समय में हिंडन एयरपोर्ट पर केवल एक ही ट्रॉली गेट है जिसके कारण पैसेजर्स को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। ऐसे में पहले सही हिंडन एयरपोर्ट ने 34500 स्क्वायर मीटर जमीन की मांग की है। जिसके मिलने पर हिंडन एयरपोर्ट गेट पर दो ट्रॉली गेट बना जाएंगे और फ्लाइट के लिए पार्किंग एरिया 2 से बढ़कर 6 हो जाएगा। एयरपोर्ट अथॉरिटी के निदेशक डॉ चिलका महेश ने बताया कि टर्मिनल बिल्डिंग को सामने से बढ़ाने के लिए टेंडर प्रक्रिया अपने आखिरी चरण में है। जनवरी में यहां पर भी काम शुरू कर दिया जाएगा।



Corporate Communications Directorate

TIMES OF INDIA

DELHI

14 DECEMBER 2025

Nitish allocates portfolios, keeps aviation to boost airport works

Patna: Bihar chief minister (CM) **Nitish Kumar** on Saturday allocated portfolios for the three newly-created departments, keeping civil aviation department under his direct supervision to help expedite airport construction under UDAN scheme, improve industrial climate, generate employment opportunities, and facilitate export of goods manufactured in the state.



On Dec 9, Bihar cabinet approved creation of three new departments — youth, employment and skill development; higher education; and civil aviation. In addition, three existing departments were renamed to reflect their expanded responsibilities.

Animal and fisheries resources department has been rechristened dairy, fisheries and animal resources department; labour resources department has been renamed labour resources and migrant workers welfare department; and art, culture and youth department is now art and culture department. — **Madan Kumar**

Corporate Communications Directorate

TIMES OF INDIA

MUMBAI

13 DECEMBER 2025

8 months on, Pune airport leopard captured

Joy.Sengupta@timesofindia.com

Pune: Seven gruelling hours and a minutely coordinated multi-agency effort led to tranquilisation and capture of the adult male leopard at Pune airport, almost eight months after the animal was first spotted near the runway. Forest officials said the leopard, weighing around 70kg, was undergoing treatment at a forest department animal rescue and rehabilitation facility and would be released into its natural habitat soon.

The operation early Friday was executed by a team of around 30, led by forest department, and involving representatives of RESQ



7-HOUR OP: The tranquilised big cat is under treatment at a rehab facility

Charitable Trust, Pune airport, and Indian Air Force (IAF). The airport is part of IAF's fighter air base in Lohegaon.

The IndiGo crisis led the elusive animal to be sighted by trap cameras last week, after having dis-

appeared for days. Deputy conservator of forests Mahadev Mohite had told TOI the animal was not as alert as it used to be. The animal had been utilising an extensive network of underground tunnels, dense vegetation, and low-footfall zones to move in and out of campus, officials said. Its presence was first confirmed on April 28, when it was seen near the runway area twice. It was seen again in Aug and Nov. Range forest officer Vishal Chavan said the team set up a tube cage in one of the tunnels and a trap camera in the other. "We managed to curtail its movements and finally pushed it to the tunnel where we wanted it to go," he added.

DGCA widens checks at all airports amid IndiGo fiasco

AGE CORRESPONDENT
NEW DELHI, DEC. 13

The Directorate General of Civil Aviation (DGCA) has expanded its airport inspection regime, directing its teams to carry out short-duration, on-the-spot checks at airports nationwide, in addition to scheduled inspections. The move comes in the wake of operational disruptions at IndiGo, which caused widespread public outrage.

The DGCA said the inspections aim to strengthen regulatory oversight, ensure passenger facilitation, and assess compliance with civil aviation requirements (CARs), including safety protocols, operational preparedness, and passenger amenities.

Previously, spot checks were limited to IndiGo operations at 11 airports. Under the new directive, all DGCA inspection teams will now conduct supplementary facility checks during routine visits, spending at least one hour at each airport. Teams will examine airside operations, ground handling, safety management systems, and the availability and licensing of pilots, engineers, and ATC personnel. Duty rosters and fatigue management systems will also be reviewed.

■ More on Page 4

DGCA steps up checks at airport amid IndiGo crisis

AGE CORRESPONDENT
NEW DELHI, DEC. 13

The Directorate General of Civil Aviation (DGCA) has expanded its airport inspection regime, directing its teams to carry out short-duration, on-the-spot checks at airports nationwide, in addition to scheduled inspections.

The move comes in the wake of operational disruptions at IndiGo, which caused widespread public outrage.

The DGCA said the inspections aim to strengthen regulatory oversight, ensure passenger facilitation, and assess compliance with civil aviation requirements (CARs), including safety protocols, operational preparedness, and passenger amenities.

Previously, spot checks were limited to IndiGo operations at 11 airports. Under the new directive, all DGCA inspection

THE MOVE comes in the wake of operational disruptions at IndiGo, which caused widespread public outrage

teams will now conduct supplementary facility checks during routine visits, spending at least one hour at each airport. Teams will examine airside operations, ground handling, safety management systems, and the availability and licensing of pilots, engineers, and ATC personnel. Duty rosters and fatigue management systems will also be reviewed.

Passenger amenities will be closely monitored, including handling of flight delays and cancellations, airport congestion, cleanliness, helpdesk availability and the presence of senior airline managers. Inspectors are instructed to engage with passengers for feedback

during the visits.

"The inspection teams will carry out on the spot instructions to airport operators and stakeholders for rectification of observed deficiencies. Such instructions have to be documented in the inspection report and communicated to the Deputy Directorate General of the concerned Region and Director, Security and Enforcement Division (SED) within 24 hours. Later, consolidated monthly reports will have been prepared for review at Joint Director General level and forwarded to the Surveillance and Enforcement Division," the order says.

The order added that the non-compliance with CARs detected during inspections shall attract enforcement action. Airport operators have been directed to extend full cooperation to DGCA inspection teams.



Corporate Communications Directorate

ASSAM TRIBUNE

GUWATI

13 DECEMBER 2025

IndiGo crisis: DGCA suspends 4 Flight Operations Inspectors

MUMBAI, Dec 12: Aviation safety regulator DGCA has suspended four Flight Operations Inspectors (FOIs) over massive disruptions in IndiGo's operations, which resulted in the cancellation of thousands of flights and lakhs of people getting stranded across airports.

The airline cancelled over 50 flights from Bengaluru Airport on Friday.

FOIs are senior officials within the Directorate General of Civil Aviation, working as part of its regulatory and safety oversight functions, often deployed to monitor airline operations.

"Four Flight Operations

Inspectors (FOIs) at the DGCA have been suspended in connection with the recent large-scale disruptions in IndiGo's flights," a source said. These officials ensure aviation safety by inspecting, auditing, and certifying airlines and personnel, such as pilots, dispatchers, and cabin crew, to meet strict regulatory standards, verifying various regulations and overseeing training, flight standards, and accident prevention measures in India.

"IndiGo has cancelled 54 flights – 31 arrivals and 23 departures – from Bengaluru airport on Friday," a source said. The crisis-hit airline had

cancelled over 200 flights from Delhi and Bengaluru on Thursday.

The DGCA on Thursday stepped up scrutiny of the crisis-hit IndiGo, with officials stationing themselves at the carrier's headquarters to monitor operations, and an inquiry panel grilled CEO Pieter Elbers.

Meanwhile, IndiGo CEO Pieter Elbers and COO Isidre Porqueras will appear again before the DGCA's investigation panel at 2 PM on Friday. Elbers, who appeared before the DGCA-constituted inquiry panel on Thursday, has been asked to appear again on Friday. – PTI



Corporate Communications Directorate

AMAR UJALA

DELHI

14 DECEMBER 2025

एयरलाइन पायलट भी कर्मचारी वेतन, पद का फर्क नहीं : हाईकोर्ट

नई दिल्ली। हाईकोर्ट ने कहा है कि एयरलाइन पायलट इंडस्ट्रियल डिस्प्यूट्स एक्ट, 1947 के तहत 'वर्कमैन' माने जाएंगे, चाहे उनकी सैलरी कितनी भी हो। यह फैसला किंग एयरवेज के पायलटों के बकाया वेतन विवाद में आया।

न्यायमूर्ति अनिल क्षेत्रपाल और हरीश वैद्यनाथन शंकर की पीठ ने यह टिप्पणी किंग एयरवेज द्वारा लेबर कोर्ट के उन आदेशों के खिलाफ दायर अपीलों को खारिज करते हुए की, जिसमें उसके पायलटों को बकाया सैलरी और अन्य बकाए का भुगतान करने का निर्देश दिया गया था। कोर्ट ने कहा कि पायलट का मुख्य काम विमान उड़ाना है और यह एक तकनीकी और कुशल कार्य है। इसलिए वे एक्ट की धारा 2(एस) में 'वर्कमैन' की श्रेणी में आते हैं। एयरलाइन का तर्क कि पायलट सुपरवाइजरी काम करते हैं और वेतन ज्यादा होने के कारण वर्कमैन नहीं हैं, कोर्ट ने खारिज कर दिया। कोर्ट ने यह भी साफ किया कि एयरलाइन के नियमों में 'पर्यवेक्षण' शब्द का इस्तेमाल सिर्फ ध्यान भटकाने वाला मामला है। इस फैसले के बाद पायलट अपने बकाया वेतन, इंसेंटिव और अन्य भुगतान पाने के हकदार होंगे। संवाद



भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

AMAR UJALA

DELHI

14 DECEMBER 2025

समय पर व कम उड़ानें रद्द होने के साथ पटरी पर लौट रहा इंडिगो का संचालन दूसरे दिन भी 2,050 से ज्यादा उड़ानें, एयरलाइन ने कहा-सभी 138 गंतव्य जुड़े

नई दिल्ली। भारत की सबसे बड़ी एयरलाइन कंपनी इंडिगो कुप्रबंधन के कारण मंची अफरा-तफरी के बाद पटरी पर लौटने लगी है। एयरलाइन की तरफ से बताया गया कि शनिवार को लगातार दूसरे दिन उसके विमानों ने 2050 से ज्यादा उड़ानें भरीं। एयरलाइन ने कहा कि उड़ानें रद्द होने की संख्या घटने के साथ समय पर संचालन की स्थिति में भी सुधार हुआ है।

इंडिगो की तरफ से जारी एक बयान के मुताबिक, एयरलाइन ने लगातार पांच दिनों से संचालनात्मक स्थिरता बना रखी है और सभी निर्धारित गंतव्यों के लिए विमान सेवाएं शुरू कर दी हैं। बयान में कहा गया है, हमारे सभी 138



गंतव्यों के लिए संचालन शुरू हो गया है। इंडिगो मानकों के तहत ऑन-टाइम परफॉर्मंस भी लगातार सामान्य रही है। एयरलाइन ने शुक्रवार के ऑपरेशनल अपडेट का हवाला देते हुए बताया, हमने 2,050 से ज्यादा उड़ानें भरीं और तकनीकी समस्याओं के कारण केवल दो उड़ानें रद्द हुईं, और सभी प्रभावित यात्रियों को तुरंत वैकल्पिक उड़ानों में समायोजित किया गया। इंडिगो ने बताया कि 8 दिसंबर को 1,700

इंडिगो की 90 फीसदी उड़ानों का परिचालन सामान्य : मोहोल

पुणे। केंद्रीय नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोले ने शनिवार को कहा कि इंडिगो की लगभग 90 प्रतिशत उड़ानों का परिचालन सामान्य हो गया है। मोहोले ने पुणे में एक कार्यक्रम में हिस्सा लेने के बाद पत्रकारों से कहा, देश में विमान सेवाएं धीरे-धीरे फिर से सामान्य हो रही हैं। प्रधानमंत्री ने निर्देश जारी किए हैं और इंडिगो से स्पष्टीकरण मांगा गया है। उनकी लगभग 90 प्रतिशत उड़ान सेवाएं सामान्य स्थिति में लौट आई हैं।

से ज्यादा उड़ानें संचालित हुईं और केवल एक रद्द हुई। व्यू



भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

AMAR UJALA

DELHI

14 DECEMBER 2025

कम उड़ानें रद्द होने के साथ पटरी पर लौट रहा इंडिगो का संचालन

दूसरे दिन भरीं 2,050 से ज्यादा उड़ानें, सभी गंतव्य जुड़े

नई दिल्ली। भारत की सबसे बड़ी एयरलाइन कंपनी इंडिगो कुप्रबंधन के कारण मची अफरा-तफरी के बाद पटरी पर लौटने लगी है। एयरलाइन की तरफ से बताया गया कि शनिवार को लगातार दूसरे दिन उसके विमानों ने 2050 से ज्यादा उड़ानें भरीं। एयरलाइन ने कहा कि उड़ानें रद्द होने की संख्या घटने के साथ समय पर संचालन की स्थिति में भी सुधार हुआ है।

इंडिगो की तरफ से जारी एक बयान के मुताबिक, एयरलाइन ने लगातार पांच दिनों से संचालनात्मक स्थिरता बना रखी है और सभी निर्धारित गंतव्यों के लिए विमान सेवाएं शुरू कर दी हैं। बयान में कहा गया है, हमारे सभी 138 गंतव्यों के लिए संचालन शुरू हो गया है। इंडिगो मानकों के तहत ऑन-टाइम परफॉर्मिस भी लगातार सामान्य रही है। एयरलाइन ने शुक्रवार के ऑपरेशनल अपडेट का हवाला देते हुए बताया, हमने 2,050 से ज्यादा उड़ानें भरीं और तकनीकी समस्याओं के कारण केवल दो उड़ानें रद्द हुईं, और सभी प्रभावित यात्रियों को तुरंत वैकल्पिक उड़ानों में समायोजित किया गया। इंडिगो ने बताया कहा कि 8 दिसंबर को 1,700 से ज्यादा उड़ानें संचालित हुईं और केवल एक रद्द हुई। 9 दिसंबर को 1800 से ज्यादा उड़ानें भरीं गईं। 10 दिसंबर को 1900 से ज्यादा उड़ानें भरीं गईं, और दो रद्द हुईं।



रांची में विमान का पिछला हिस्सा रनवे से टकराया

रांची। झारखंड के रांची हवाई अड्डे पर शुक्रवार शाम एक बड़ा हादसा टल गया जब इंडिगो के एक विमान का पिछला हिस्सा उतरते समय रनवे से टकराया। भुवनेश्वर से रांची आए इस में करीब 70 यात्री सवार थे। रांची हवाई अड्डे के निदेशक विनोद कुमार ने बताया, विमान टकराने से यात्रियों को अचानक झटका लगा। हालांकि, वे सभी सुरक्षित हैं और उन्हें कोई चोट नहीं आई। घटना के बाद विमान को उड़ान भरने से रोक दिया गया, क्योंकि तकनीकी रूप से उसे उड़ान भरने के अयोग्य पाया गया था।

11 दिसंबर को आंकिड़ा बढ़कर 1950 पर पहुंच गया और चार उड़ानें रद्द की गईं। 12 दिसंबर को 2050 से ज्यादा उड़ानें संचालित की गईं। इंडिगो ने कहा कि संशोधित उड़ान शेड्यूल के साथ स्थिति लगातार बेहतर हो रही है। साथ ही, विमान यात्रियों से आग्रह किया कि बड़े पैमाने पर उड़ानें रद्द होने की फर्जी सूचनाओं को लेकर भ्रमित न हों।



Corporate Communications Directorate

BUSINESS LINE

DELHI

14 DECEMBER 2025

TECH QUERY



GURUMURTHY K

bl. research bureau

Could you please suggest an appropriate entry price in InterGlobe Aviation (IndiGo)?

Santosh

IndiGo (₹4,861): On the charts, the recent sharp fall just looks like a correction within the long-term uptrend. It is not indicating a trend reversal. The



support at ₹4,700 is holding well for now. Below that, ₹4,450 is the next important support. If things get back to normal, then IndiGo share price has potential to target ₹7,000. But this rally may take a long time. So, you need to have patience. You can buy

30 per cent of the intended amount now at current levels. The balance 70 per cent can be bought at ₹4,480. Keep the stop-loss at ₹3,580. Trail the stop-loss up to ₹5,060 as soon as the stock goes up to ₹5,540. Revise the stop-loss higher to ₹5,760 and ₹6,350 when the price touches ₹6,280 and ₹6,620 respectively. Exit the stock at ₹6,870.

नीति बनाम हकीकत • 10-12 साल में कई एयरलाइंस डूबीं; इस हाल में 5 नए खिलाड़ी भी जमीन पर ही हों

कई एयरलाइंस धड़ाम, पर सिस्टम अधूरा नए ऑपरेटरों को भी 'जुगाड़ का आसमान

एम. रियाज हाशमी | नई दिल्ली

संसद में सिविल एविएशन मंत्री राम मोहन नायडू ने कहा कि भारत में '5 बड़ी एयरलाइंस के लिए पर्याप्त स्पेस है।' यह इंडिगो संकट पर केंद्र सरकार की प्रतिक्रिया भर नहीं था, बल्कि मीजूदा सिविल एविएशन मॉडल को लेकर एक नीतिगत दावा था। बढ़ती यात्री मांग के आधार पर उन्होंने और बड़ी एयरलाइंस की जरूरत बताई। लेकिन यह बयान जिस पृष्ठभूमि में आया, वही इसकी सबसे बड़ी कसौटी है।

घरेलू हवाई बाजार का 64% हिस्सा संभालने वाली इंडिगो के ऑपरेशनल ब्रेकडाउन ने दिखा दिया कि भारतीय एविएशन सिस्टम कुछ बड़े ऑपरेटरों पर खतरनाक स्तर तक निर्भर हो चुका है। बीते 10 से 12 वर्षों में किंगफिशर, जेट एयरवेज, एयर डेक्कन और गो-एयर जैसे उदाहरण बताते हैं कि पतन का पैटर्न एक-सा रहा। देश में कई एयरलाइंस धड़ाम के बाद भी सिस्टम अधूरा है। ऐसे हालात में नए ऑपरेटरों के लिए भी जुगाड़ के बिना आसमान में उड़ान भरना मुश्किल है।

एक एयरलाइन खड़ी करने की असली कीमत: 8 से 10 हजार करोड़

भारत में नई एयरलाइन शुरू करना केवल विमान लीज पर लेने या लाइसेंस हासिल करने तक सीमित नहीं है। संसदीय समितियों और एविएशन एक्सपर्ट्स के आकलन बताते हैं कि एक मिड-साइज घरेलू एयरलाइन को शुरुआती 3 से 5 वर्षों में 8,000 से 10,000 करोड़ रुपये की वित्तीय सहनशीलता चाहिए, जिसमें तत्काल रिटर्न नहीं मिलता। डीजीसीए के नियमों के तहत ऑपरिंग परमिट से पहले ही नेटवर्क, फ्लीट प्लान, मेटेनंस और इंश्योरेंस जैसी शर्तों पर भारी खर्च होता है। इसके बाद एयरक्राफ्ट लीजिंग की लागत आती है, जो पूरी तरह डॉलर में होती है, जबकि टिकट से आय रु. में। यही करेंसी

मिसमैच बीते एक दशक में कई एयरलाइंस के लिए बड़ा जोखिम बना। संसद की स्थायी समिति की 380वीं रिपोर्ट के अनुसार, एविएशन टर्बाइन फ्यूल कुल ऑपरिंग लागत का 35 से 40% तक हो सकता है। राज्यों द्वारा एटीएफ पर अलग-अलग वेट और दूसरी ओर किराए पर सरकारी प्राइस-केपिंग, एयरलाइंस के मार्जिन को और कम कर देती है। जेट एयरवेज और किंगफिशर के मामलों में बेहतर लोड फैक्टर के बावजूद लीज रेंट, ब्याज और फ्यूल भुगतान में देरी से पूरा ऑपरेशनल चक्र टूट गया। गो-एयर के संकट में इंजन सप्लाई और मेटेनंस विवाद के साथ वित्तीय कमी निर्णायक साबित हुई।

रेगुलेटरी सिस्टम खुद संकट में

डीजीसीए की कार्यप्रणाली पर बनी 2003 की रोडमैप रिपोर्ट, 2006 की कौर समिति और 380वीं संसदीय रिपोर्ट एक साझा निष्कर्ष पर पहुंचती हैं कि एविएशन रेगुलेटरी सिस्टम खुद संसाधन-संकट से जूझ रहा है। वर्क फोर्स, लंबित सेफ्टी ऑडिट और सीमित निगरानी के कारण नई एयरलाइंस के लिए अप्रत्याशित प्रारंभिक और ऑपरेशनल जोखिम बढ़ जाते हैं। अनुभव बताता है कि जब तक बुनियादी कमजोरियां दूर नहीं होती, भारतीय आसमान नए खिलाड़ियों के लिए विस्तार से ज्यादा अस्तित्व की परीक्षा बना रहेगा।

भास्कर एक्सपर्ट

रोहित ज्योतिष, अध्यक्ष, ओपी ज्वेलर यूनि.

जब किसी सेक्टर में बाजार हिस्सेदारी कुछ ही कंपनियों के पास समिट जाती है, तो पूरा सिस्टम 2-3 पॉइंट्स ऑफ फ्लेयोर पर टिक जाता है। एविएशन में एक ऑपरेटर की विफलता यात्रियों को ही नहीं, बल्कि एयरपोर्ट, एटीसी और पूरे नेटवर्क को प्रभावित करती है। केंद्रीकृत बाजार में कंपनियां लागत घटाने और परिचालन को अधिकतम खींचने की स्थिति में पहुंच जाती हैं, जिससे सेफ्टी व रेजिलिएंस पर दबाव पड़ता है।

मार्केट विस्तार पर फोकस, पर सिस्टम विकसित नहीं किया

विरल आचार्य, इन्फोमिस्ट, न्यूॉर्क यूनिवर्सिटी

2015 के बाद भारत की सबसे बड़ी कंपनियों ने कॉरपोरेट आय के बढ़ते हिस्से पर कब्जा किया है। एविएशन में कुछ बड़े खिलाड़ी बाजार, पूंजी और नीति पर हावी हैं। बड़े आकार से लागत दक्षता तो मिलती है, लेकिन जब प्रतिस्पर्धा घटती है, तो जोखिम पूरे सिस्टम में फैल जाता है। तब किसी एक कंपनी की विफलता सेक्टर-लेवल संकट में बदल सकती है, जैसा इंडिगो केस में दिखा।

अमित सिंह, एविएशन एक्सपर्ट, सेफ्टी मैटर्स

एक दशक में जिस तेजी से मार्केट का विस्तार हुआ, उसी अनुपात में न तो सेफ्टी ओवरसाइट सिस्टम मजबूत हुआ और न ही रेगुलेटरी कैपेसिटी बढ़ी। डीजीसीए, एटीसी और सेफ्टी ऑडिट मैकेनिज्म संसाधन-संकट में रहे, जबकि एयरलाइंस पर परिचालन और अनुपालन का दबाव कई गुना बढ़ता गया। सरकार ने मार्केट विस्तार को प्राथमिकता दी, सिस्टम को उसी स्तर पर विकसित नहीं किया।



भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

DECCAN CHRONICAL

HYDERABAD

13 DECEMBER 2025

DGCA suspends 4 IndiGo inspectors

DC CORRESPONDENT
with agency inputs
NEW DELHI, DEC. 12

The Directorate General of Civil Aviation (DGCA) has sacked four flight operations inspectors (FOIs) over massive disruptions in IndiGo's operations. The officials were responsible for regulatory and safety oversight functions and are often deployed to monitor air-line operations. Sources said these four FOIs have been suspended in connection with the recent large-scale disruptions in IndiGo's flights.

The aviation safety regulator on Friday called IndiGo's top brass for a second day to face the probe committee. And the Competition Commission of India (CCI) is examining whether IndiGo violated competition norms.

The FOIs — Rishi Raj Chatterjee, Seema Jhamnani, Anil Kumar Pokhariyal and Priyam Kaushik — have been immediately relieved from the DGCA and told to join their respective parent organisations.

While IndiGo CEO Pieter Elbers and COO Isidre Porqueras appeared before the DGCA for a second day to face the probe committee, the officials from the aviation safety regulator are already stationed at IndiGo's headquarters to monitor day-to-day operations.

Apart from stepping up the scrutiny of IndiGo's operations, the DGCA is probing the flight disruptions. Also, there are concerns in certain quarters on whether the airline's dominant position could also have been a contributing factor.

According to the CCI officials, various aspects,



Union Minister for Civil Aviation K Ram Mohan Naidu speaks in the Lok Sabha during the Winter session of Parliament, in New Delhi.

— PTI

Can't cap airfares for all year, says Naidu

New Delhi, Dec 12: The government has exclusive powers in extraordinary circumstances to cap airfares but it is not a single-way solution, Civil Aviation Minister K. Ram Mohan Naidu said on Friday amid rising concerns over high air ticket prices.

Replying to a debate on a private member's resolution on 'Resolutions: Appropriate Measures to Regulate Airfare in the Country' in the Lok Sabha, the minister also mentioned about non-availability of aircraft and that discussions are on to make planes in India. The resolution, which was later withdrawn, was

moved by Congress member Shafi Parambil.

There are multiple levels in the aviation ecosystem and various aspects, including the viability of airlines, he noted.

Earlier this month, the civil aviation ministry imposed a distance-based cap on domestic airfares in the wake of the IndiGo flight disruptions. Domestic air ticket pricing remains "on par with other nations" and it would not be feasible for the government to cap airfares across the nation, Naidu said. According to the minister, a deregulated market ultimately benefits consumers.

such as the overall dominant position, dominance in particular routes and whether there is abuse of dominance, will be looked into. There is no formal complaint against

IndiGo so far, and the CCI is examining whether competition rules have been violated suo motu.

Section 4 of the Competition Act pertains to abuse of dominance that can be exploitative or exclusionary. "Exploitative" refers to acts such as excessive pricing, while denial of market access will fall under the exclusionary segment.

IndiGo row: DGCA sacks 4 flight operations inspectors

NEW DELHI, DHNS: The Directorate General of Civil Aviation (DGCA) has sacked four flight operations inspectors (FOIs) over disruptions in IndiGo operations that led to a number of flight cancellations.

The four FOIs were engaged on contract basis. The order said they were relieved from DGCA with immediate effect and asked to join their respective parent organisations.

FOIs ensure aviation safety by inspecting, auditing and certifying airlines and personnel, such as pilots, dispatchers and cabin crew, to meet strict regulatory standards, verifying various regulations and overseeing training, flight standards and accident prevention measures in India.

Separately, IndiGo said it would operate 2,050 flights by the end of the day, as against 1,950 flights with just four cancellations due to unfavourable weather on Thursday. Over 200 flights were cancelled for the day.

IndiGo hires expert for probe



IndiGo's board on Friday announced the appointment of an external aviation expert to carry out a root-cause analysis of recent flight disruptions. **Page 15**

Officials said IndiGo CEO Pieter Elbers and COO Isidre Porqueras appeared before the DGCA's investigation panel on Friday.

In Rajya Sabha, AAP MP Vikramjit Singh Sahney requested the government to soon bring back the airline safety regulations, which were relaxed for IndiGo.

"We cannot compromise with safety. So, this safety regulation should be brought back, maybe in a month," he said.

IndiGo appoints aviation expert to review flight disruption

Objective to find opportunities for improvement



BENGALURU, DHNS

IndiGo, on Friday, announced that its Board has approved the appointment of Chief Aviation Advisors LLC, led by Captain John Illson, veteran aviation expert, to conduct an independent expert review and assessment of the recent operational disruption and the contributing factors.

Illson brings more than four decades of aviation experience across the FAA, ICAO, IATA, and major global carriers. With an illustrious track record in global air transport, he brings expertise in global aviation strategy, customised consulting, safety leadership, setting international standards, and new aircraft technologies.

The objective is to conduct an independent root-cause analysis of the recent operational disruption, besides opportunities for improvement. This decision follows the recommendation of the Crisis Management Group (CMG) constituted by the IndiGo Board. As part of its assessment, the CMG advised commissioning an independent expert review in the matter.

With the Board's approval now in place, the review will begin at the earliest, and the independent expert reviewer will submit a comprehensive report to the Board upon completion, the company said in a statement.

IndiGo also said that it has achieved operational normalisation and stability since

the last four days and it is set to operate over 2,000 flights from Friday as per its revised scaled-down schedule. "All our 138 operational destinations are connected, and our on-time performance has been consistently normal as per IndiGo standards. Yesterday (Thursday), we operated over 1,950 flights with just four cancellations, due to unfavourable weather, with all affected customers promptly informed to avoid inconvenience," the airline statement said.

It has also informed all airport partners to publish the new flight schedules of the adjusted network on terminal screens to avoid any confusion.

Meanwhile, the airline cancelled 160 flights at Delhi and Bengaluru together on Friday.

Corporate Communications Directorate

DAINIK JAGRAN

DELHI

14 DECEMBER 2025

ध्वस्त हुए हवाई यात्रा के अरमान



हास्य-खंग्य 'तारे जमीं पर' और 'सितारे जमीं पर' फिल्मों की काफी धूम रही अपने देश में। और अभी धूम है 'हवाई यात्री जमीं' पर की। हालांकि यह कोई फिल्म नहीं, बल्कि हकीकत है। अभी तक विमान से यात्रा करने वाले खुद को कुछ अलग ही समझते थे। सिर्फ ट्रेन, बस से सफर करने वालों की तुलना में ही वे खुद को भाग्यशाली नहीं समझते थे, बल्कि एयरपोर्ट पर अपने बगल में प्रतीक्षा लाउंज में बैठे, महंगी दुकानों में सामान खरीदते या कैफे में भक्षण करते या अपने ही विमान में अपने ही बगल में बैठे विमान यात्री से भी खुद को भाग्यशाली समझते थे। न वे एक दूसरे से बातें करते थे, न एक दूसरे की ओर देखते थे। पता नहीं ऐसा क्यों था। हो सकता है एक दूसरे के बारे में सोचता होगा कि बगल वाला तो आफिस की ओर से कभी-कभार मिलने वाले टीए या एलएफसी से जा रहा है, जबकि वह अपने पैसे से जा रहा है। हो सकता है कि दूसरा भी पहले के बारे में यही सोचता होगा या फिर आफिस के खर्च से जाने वाले खुद को इस कारण से श्रेष्ठ समझते होंगे कि वे तो सरकार या कंपनी के पैसे से हवाई यात्रा कर रहे हैं, जबकि उनके बगल में बैठा व्यक्ति अपने बटुए का पैसा डुबा रहा होगा। या इसी प्रकार के कुछ कारण रहे होंगे।

लगतता है कि सबसे बड़ी विमान सेवा प्रदाता को विमान यात्रियों का यह दंभ-युक्त व्यवहार ठीक



विनय कुमार पाटल

उड़ानों के रद्द होने से एयरपोर्ट पर जो नजारा दिखा, वह किसी भी रेलवे स्टेशन या बस स्टैंड को मात दे रहा था



नहीं लगा। उसने निश्चय कर लिया कि विमान यात्रियों को भी संवेदनशील बनाया जाना चाहिए। उन्हें भी अपने सहयात्री से उसी प्रकार बातें करनी चाहिए जैसे ट्रेन के या बस के यात्रीगण अपने सहयात्री से करते हैं। मतलब भाई साहब आपको कहां जाना है आदि-इत्यादि।

इसमें सरकार का योगदान रहा। यहां एक बात और देखने में आई कि नियम से कोई काम किया जाए तो अव्यवस्था और अराजकता का माहौल हो जाता है। यदि नियम का पालन नहीं किया जाए तो सब कुछ ठीक-ठाक चलता है। कई बार ऐसा

देखा गया है कि ट्रैफिक पोस्ट पर पुलिस के होने या ट्रैफिक लाइट के होने से जाम की समस्या काफी विकट हो जाती है। पुलिस या ट्रैफिक लाइट न होने पर यातायात सुचारु रूप से चलता रहता है। विमान सेवा के लिए कुछ नियम निर्धारित किए गए थे, जैसे पायलट के न्यूनतम घंटे का विश्राम या अधिकतम कार्य अवधि आदि। इन नियमों का भी बहुत बड़ा हाथ रहा विमान यात्रियों को संवेदनशील बनाने में।

इन नियमों के चलते और यात्रियों को संवेदनशील बनाने के उद्देश्य से कई फ्लाइट रद्द हो गईं और फिर एयरपोर्ट पर जो नजारा दिखा, वह किसी भी रेलवे स्टेशन या बस स्टैंड के नजारे को मात दे रहा था। कुछ देर तक तो विमान यात्री एक दूसरे से दूरी बनाकर रहे, पर दर्द जब हद से गुजर गया तो फिर बातें करने लगे। अपना दुख बांटने लगे। मुख्य रूप से विमान कंपनी और इसके कर्मचारियों के अवगुणों के बारे में ही चर्चा होती रही। इसके अलावा अन्य बातें भी होने लगीं यात्रियों के बीच और फिर अन्य विमानन सेवा कंपनियों ने मौका देखकर चौका लगाना शुरू कर दिया। दिल्ली से होनुलुलू से अधिक किराया दिल्ली से जयपुर का हो गया। ऐसे में जो मन मसोस कर बटुआ ढीला कर हवाई यात्रा करते थे, उनके हवाई यात्रा का सपना हवा हवाई हो गया। अब तक जो दंभ वे पाले हुए थे, उससे मुक्त हो गए, क्योंकि वे भी जमीन पर आ गए।

response@jagran.com

Corporate Communications Directorate

DAINIK JAGRAN

DELHI

14 DECEMBER 2025

मनमानेपन की 500 करोड़ कीमत चुकाएगा इंडिगो

भारी रही एयरलाइंस कंपनियों की मुनाफाखोरी

नई दिल्ली, रायटर: भारत की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो की उड़ानों में सप्ताहभर से अधिक समय तक चले भारी व्यवधान के बाद अब यह एयरलाइन अपने मनमानेपन की कीमत 500 करोड़ से अधिक का मुआवजा देकर चुकाएगी। यह मुआवजा रिफंड से अलग होगा। एयरलाइन ने पिछले सप्ताह अपनी 4500 से अधिक उड़ानें रद्द की थीं जबकि सैकड़ों देरी से उड़ी थीं। इंडिगो की खराब पायलट रोस्टर प्लानिंग के चलते यह सारी अव्यवस्था हुई थी और इसमें हजारों यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा था, वे घंटों एयरपोर्टों पर फंसे रहे थे। इसके बाद विमानन नियामक डीजीसीए ने शिकंजा कसते हुए उसकी शीतकालीन उड़ानों में 10 प्रतिशत की कटौती कर दी थी।



एयरलाइन ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि वह तीन से पांच दिसंबर के बीच फ्लाइट रद्द होने से ज्यादा परेशान हुए यात्रियों को मुआवजा देगी। जनवरी में ऐसे सभी प्रभावित ग्राहकों से संपर्क किया जाएगा ताकि

मुआवजा दिया जा सके। हमारा अनुमान है कि कुल 500 करोड़ रुपये (55.19 मिलियन डॉलर) से ज्यादा का मुआवजा उन ग्राहकों को दिया जाएगा जिनकी फ्लाइट उड़ान से 24 घंटे के अंदर कैंसिल हुई या जो एयरपोर्ट पर घंटों फंसे रहे। साथ ही एयरलाइन ने कहा कि हमने रिफंड प्रक्रिया को पारदर्शी और आसान बनाया है ताकि किसी तरह की परेशानी यात्रियों को न हो। बता दें कि दिल्ली हाई कोर्ट के निर्देश के बाद इंडिगो ने परेशान यात्रियों को 10,000-10,000 रुपये के वाउचर देने की भी घोषणा की थी। यात्री एक

- इंडिगो की खराब पायलट रोस्टर प्लानिंग के चलते पिछले सप्ताह 4,500 से ज्यादा उड़ानें हुई थीं रद्द
- इसके चलते विमानन नियामक डीजीसीए ने उसकी 10 प्रतिशत उड़ानों में कर दी है कटौती

इंडिगो की 90 प्रतिशत उड़ान सेवाएं अब सामान्य हो गई हैं। पिछले दिनों उड़ान सेवाओं में पैदा हुए भारी व्यवधान और इससे यात्रियों को हुई भारी परेशानी पर एयरलाइन से स्पष्टीकरण मांगा गया है। मंत्रालय कार्रवाई भी कर रहा है। - मुरलीधर मोहोले, केंद्रीय नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री।

वर्ष के भीतर इस वाउचर से इंडिगो की किसी भी फ्लाइट में टिकट बुक करा सकते हैं। हाई कोर्ट ने इंडिगो को फ्लाइट रद्द करने और यात्रियों को हुई असुविधा के लिए उन्हें हर्जाना देने का भी आदेश दिया था।

इंडिगो ने शनिवार को किया 2050 से अधिक उड़ानों का परिचालन : समाचार एजेंसी एएनआई के अनुसार इंडिगो ने हालिया अव्यवस्था के बाद फिर से पटरी पर लौटते हुए शनिवार को 2050 से अधिक उड़ानों का परिचालन किया। एयरलाइन की ओर से बयान में कहा गया कि हमने लगातार पांच दिन तक अपनी परिचालन स्थिरता बनाए रखी है और सभी 138 गंतव्यों पर फ्लाइटें आ-जा रही हैं। एयरलाइन ने कहा कि आठ दिसंबर को 1700 से अधिक, नौ दिसंबर को 1800 से अधिक, 10 दिसंबर को 1900 से अधिक उड़ानों का परिचालन किया गया। यही नहीं, 11 दिसंबर को 1950 से अधिक उड़ानों का संचालन किया गया और केवल चार उड़ानें रद्द की गईं। 12 दिसंबर को 2050 से अधिक उड़ानों का संचालन किया गया और सिर्फ दो उड़ानें रद्द की गईं। 13 दिसंबर को 2050 से अधिक उड़ानों का संचालन किया गया।

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली: इंडिगो एयरलाइंस की मनमानी की वजह से हजारों विमान यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। इसी दौरान टिकटों की भारी मांग के चलते किराए भी वेतनहाश बढ़ गए, जिससे यात्रियों पर दोहरी मार पड़ी। इसे देखते हुए सरकार ने हस्तक्षेप किया और विमान किरायों के लिए सीमा तय कर दी। लेकिन 'लोकल सर्कल्स' के सर्वे में सामने आया है कि एयरलाइंस ने निर्देशों का पालन नहीं किया और छह दिसंबर के बाद टिकट बुक करानेवाले हर 10 में से छह यात्री को असल किराया सीमा से ज्यादा मिला। एयरलाइंस कंपनियों की मुनाफाखोरी की वजह से लोगों को ऊंचे दाम पर टिकट खरीदने को मजबूर होना पड़ा। लोगों ने इंटरनेट मीडिया प्लेटफॉर्मों पर इसकी शिकायत भी की।

नागर विमानन मंत्रालय ने छह दिसंबर से अस्थायी रूप से हवाई किरायों पर सीमा तय की है। इसके तहत 500 किमी तक की दूरी के लिए अधिकतम 'बेस फेयर' 7,500, 500-1,000 किमी के लिए 12,000, 1,000-1,500 किमी के लिए 15,000

- सरकार की किराया कैपिंग के बावजूद 10 में 6 यात्रियों को नहीं मिली राहत

- सर्वे में एअर इंडिया, इंडिगो, अकासा व स्पाइसजेट पर कैप उल्लंघन के आरोप

लोकल सर्कल्स का सर्वे

59% ने कहा, सीमा से ज्यादा रकम किराया 20% ने कुछ स्पष्ट नहीं बताया 21% ने कहा, बेस फेयर के अंदर मिला टिकट 291 जिलों से 25,519 विमान यात्रियों ने लिया सर्वे में हिस्सा 67% पुरुष 33% महिलाएं

14 दिसंबर के लिए दिल्ली-कोलकाता विमान किराए (दूरी-1300 किमी)

एयरलाइन	विमान किराया (रु.)
एअर इंडिया (एआइ1714)	16,113
इंडिगो (6ई6836)	16,033
अकासा (वयू01801)	15,586
स्पाइसजेट (एसबी263)	16,333

और 1,500 किमी से अधिक के लिए 18,000 निर्धारित किया गया है। मंत्रालय ने स्फ़ाफ़ चेतनावनी दी थी कि उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई होगी। यात्रियों का अनुभव इससे उलट है। लोकल सर्कल्स द्वारा किए गए एक राष्ट्रीय सर्वे में, जिसमें 291 जिलों से 25,519 यात्रियों ने हिस्सा लिया, 59 प्रतिशत यात्रियों ने कहा कि किराया कैपिंग का पालन नहीं हो रहा है। कुल मिलाकर, 10 में से 6 यात्रियों का

कहना है कि 6 दिसंबर के बाद भी एयरलाइंस अधिक किराया वसूल रही हैं। उपलब्ध बुकिंग उदाहरणों के अनुसार दिल्ली-कोलकाता और मुंबई-भुवनेश्वर जैसे मार्गों पर इंडिगो, एअर इंडिया, अकासा एयर और स्पाइसजेट सभी ने 15,000 की सीमा से अधिक बेस फेयर दिखाया। यह तब है, जब एअर इंडिया और एअर इंडिया एक्सप्रेस ने स्वयंजनिक रूप से कैपिंग के पालन का दावा किया था।



भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

RS DAINIK JAGRAN

DELHI

14 DECEMBER 2025

मनमानेपन की 500 करोड़ कीमत चुकाएगा इंडिगो

नई दिल्ली, राबटर : भारत की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो की उड़ानों में सप्ताहभर से अधिक समय तक चले भारी व्यवधान के बाद अब यह एयरलाइन अपने मनमानेपन की कीमत 500 करोड़ से अधिक का मुआवजा देकर चुकाएगी। यह मुआवजा रिफंड से अलग होगा। एयरलाइन ने पिछले सप्ताह अपनी 4,500 से अधिक उड़ानें रद्द की थीं जबकि सैकड़ों देरी से उड़ी थीं। इंडिगो की खराब पायलट रॉस्टर प्लानिंग के चलते यह सारी अव्यवस्था हुई थी और इसमें हजारों यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा था, वे घंटों एयरपोर्टों पर फंसे रहे थे। इसके बाद विमानन नियामक डीजीसीए ने शिकंजा कसते हुए उसकी शीतकालीन उड़ानों में 10 प्रतिशत की कटौती कर दी थी।

एयरलाइन ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि वह तीन से पांच दिसंबर के बीच फ्लाइट रद्द होने से ज्यादा परेशान हुए यात्रियों को मुआवजा देगी। जनवरी में ऐसे सभी प्रभावित ग्राहकों से संपर्क किया जाएगा ताकि मुआवजा दिया जा सके। हमारा अनुमान है कि कुल 500 करोड़ रुपये (55.19 मिलियन डॉलर) से ज्यादा का मुआवजा उन ग्राहकों को दिया जाएगा जिनकी फ्लाइट उड़ान से 24 घंटे के अंदर बैसिल हुई या जो एयरपोर्ट पर कई घंटों फंसे रहे।

बता दें कि दिल्ली हाई कोर्ट के निर्देश के बाद इंडिगो ने परेशान यात्रियों को 10,000-10,000 रुपये के वाउचर देने

इंडिगो की खराब पायलट रॉस्टर प्लानिंग के चलते पिछले सप्ताह 4,500 से ज्यादा उड़ानें हुई थीं रद्द

इसके चलते विमानन नियामक डीजीसीए ने उसकी 10 प्रतिशत उड़ानों में कटौती



इंडिगो की 90 प्रतिशत उड़ान सेवाएं अब सामान्य हो गई हैं। इंडिगो की उड़ान सेवाओं में पैदा हुए भारी व्यवधान और इससे यात्रियों को हुई भारी परेशानी पर एयरलाइन से स्पष्टीकरण मांगा गया है।
—मुरलीधर गोहिल, उड़यन राज्य मंत्री

की भी घोषणा की थी। यात्री एक वर्ष के भीतर इस वाउचर से इंडिगो की किसी भी फ्लाइट में टिकट बुक कर सकते हैं। हाई कोर्ट ने इंडिगो को फ्लाइटें रद्द करने और यात्रियों को हुई असुविधा के लिए उन्हें हर्जाना देने का भी आदेश दिया था। इस बीच, इंडिगो ने फिर से पटरी पर लौटते हुए शनिवार को 2,050 से अधिक उड़ानों का परिचालन किया।

सरकार के निर्देशों पर एयरलाइंस कंपनियों की मुनाफ़ाखोरी भारी पंज>>7

Corporate Communications Directorate

RS DAINIK JAGRAN

DELHI

14 DECEMBER 2025

'पायलट भी श्रम कानून के तहत वर्कमैन, वेतन या पदनाम से तय नहीं होता दर्जा'

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली

दिल्ली हाई कोर्ट ने किंग एयरवेज की सभी अपीलें खारिज करते हुए साफ शब्दों में कहा कि एयरलाइंस पायलट, चाहे वे पायलट-इन-कमांड ही क्यों न हों, औद्योगिक विवाद अधिनियम के तहत वर्कमैन (कर्मचारी) माने जाएंगे। अदालत ने कहा कि किसी कर्मचारी का ज्यादा वेतन, बड़ा पद या उड़ान के दौरान कमान संभालना, उसे श्रम कानून से बाहर नहीं करता। न्यायमूर्ति अनिल क्षेत्रपाल और न्यायमूर्ति हरौरा वैद्यनाथन शंकर को पीठ ने यह फैसला किंग एयरवेज और उसके पूर्व पायलटों के बीच चल रहे मुकदमे में सुनाया। एयरलाइन ने पायलटों को बकाया वेतन और अन्य भुगतान देने के आदेश को चुनौती दी थी।

कोर्ट ने कहा कि किसी व्यक्ति के कर्मचारी होने का फैसला उसके काम की असल प्रकृति से होता है। पायलट का मुख्य काम विमान उड़ाना है, जो एक तकनीकी और कौशल आधारित जिम्मेदारी है। घले ही उड़ान के दौरान पायलट-इन-कमांड को जिम्मेदार माना जाता है, लेकिन वह न तो दफ्तर के कामकाज में और न ही कर्मचारियों के प्रशासनिक मामलों में कोई प्रबंधकीय या पर्यवेक्षक भूमिका निभाता है। अदालत ने

दिल्ली हाई कोर्ट ने माना कि एयरवेज ने पायलटों की नौकरी गलत तरीके से की थी खत

एयरलाइन ने पायलटों को बकाया वेतन व अन्य भुगतान देने के आदेश को दी थी चुनौती



एयरलाइन को इस दलील को भी खारिज कर दिया कि पायलटों का ऊंचा वेतन या सीनियर कर्मांडर का पद उन्हें वर्कमैन की श्रेणी से बाहर कर देता है। कोर्ट ने कहा कि वेतन को सीमा तभी मायने रखती है, जब यह साबित हो कि कर्मचारी वास्तव में सुपरवाइजरी (पर्यवेक्षण) का कार्य करता है, जो इस मामले में साबित नहीं हुआ।

बकाया वेतन के मामले में पायलटों के पक्ष में फैसला वसूला: हाई कोर्ट ने यह भी कहा कि विमानन नियमों में जिस निगरानी व नियंत्रण की बात होती है, वह केवल उड़ान को सुरक्षा से जुड़ी होती है। इसे श्रम कानून में बतौर एए प्रबंधन या

सरकार के निर्देशों पर एयरलाइंस कंपनियों की मुनाफाखोरी भारी

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली

पिछले दिनों इंडिगो एयरलाइंस की मनमाने की वजह से हजारों विमान यात्रियों को भारी परेशानों का सामना करना पड़ा। इसे दौरान टिकटों को भारी मांग के चलते किराए भी बेंतहाशा बढ़ गए, जिससे यात्रियों पर दोहरी मार पड़ी। इसे देखते हुए सरकार ने हस्तक्षेप किया और किराये के लिए सीमा तय कर दी। पर 'लोकल सर्कल्स' के सर्वे में सामने आया है कि एयरलाइंस ने सरकार के निर्देशों का पालन नहीं किया और छह दिसंबर के बाद टिकट बुक करने वाले हर 10 में से छह यात्री को असल किराया सीमा से ज्यादा मिला। एयरलाइंस कंपनियों की मुनाफाखोरी की वजह से लोगों को ऊंचे टाप पर टिकट खरीदने को मजबूर होना पड़ा। लोगों ने इंटरनेट मीडिया पर इसको शिकायत भी की।

ज्ञात है, नगर विमानन मंत्रालय ने छह दिसंबर से अस्थायी रूप से हवाई किराये पर सीमा तय की है। इसके तहत 500 किमी तक की दूरी के लिए अधिकतम

सुपरविजन के बराबर नहीं माना जा सकता। बकाया वेतन के मामले में भी

सरकार की किराया कैपिंग के बावजूद 10 में 6 यात्रियों को नहीं मिली राहत
सर्वे में एअर इंडिया, इंडिगो, अकासा व स्पाइसजेट पर कैप उल्लंघन के आरोप

लोकल सर्कल्स का सर्वे

- 59% ने कहा, कैपिंग सीमा से ज्यादा रहा किराया
- 20% ने कुछ स्पष्ट नहीं बताया
- 21% ने कहा, बेस फेयर के अंदर मिला टिकट 291
- जिलों से 25,519 विमान यात्रियों ने लिखा सर्वे में हिस्सा
- 67% पुरुष, 33% महिलाएं

14 दिसंबर के लिए दिल्ली-कोलकाता विमान किराए (दूरी-1300 किमी)

एयरलाइन	विमान किराया (रु.)
एअर इंडिया (एआइ714)	16,113
इंडिगो (ईई6836)	16,033
अकासा (एयू01801)	15,986
स्पाइसजेट (एसजी263)	16,333

'बेस फेयर' 7,500, 500-1,000 किमी के लिए 12,000, 1,000-1,500 किमी के लिए 15,000 और 1,500 किमी से अधिक के लिए 18,000 निर्धारित किया गया है। मंत्रालय ने साफ चेतावनी दी थी कि उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई होगी।

कोर्ट ने पायलटों के पक्ष में फैसला बरकरार रखा। अदालत ने मान कि



हालांकि, यात्रियों का अनुभव इससे उलट है। लोकल सर्कल्स द्वारा किए गए एक राष्ट्रीय सर्वे में, जिसमें 291 जिलों से 25,519 यात्रियों ने हिस्सा लिया, 59 प्रतिशत यात्रियों ने कहा, किराया कैपिंग का पालन नहीं हो रहा है। कुल मिलाकर,

पायलटों को नौकरी गलत तरीके से खतम को गई थी। इसलिए उन्हें दोबारा सेवा में

10 में से 6 यात्रियों का कहना है कि 6 दिसंबर के बाद भी एयरलाइंस तय सीमा से अधिक किराया वसूल रही हैं। सर्वे और उपलब्ध बुकिंग उदाहरणों के अनुसार दिल्ली-कोलकाता और मुंबई-धुवनेश्वर जैसे मार्गों पर इंडिगो, एअर इंडिया, अकासा एअर व स्पाइसजेट सभी ने 15,000 की सीमा से अधिक बेस फेयर दिखाया। यह तब है, जब एअर इंडिया और एअर इंडिया एक्सप्रेस ने सांकेतिक रूप से कैपिंग के पालन का दावा किया था और किराया अंतर लौटाने का आश्वासन भी दिया था।

कियोफलों का कहना है कि इंडिगो की अव्यवस्थाओं के चलते यात्रियों पर पहले ही अतिरिक्त चोड़ पड़ा है। अब किराया कैपिंग की कमजोर निगरानी ने सरकार को सख्त पर भी सबाल खड़े कर दिए हैं। जब तक तकनेक-आधारित निगरानी और कड़ी दंड व्यवस्था लागू नहीं होती, तब तक एयरलाइंस की मनमाने और मुनाफाखोरी पर लागू लागू मुश्किल है। इसका सीधा नुकसान यात्रियों के भारोंसे और जब दोनों को हो रहा है।

लेना, सेवा की निरंतरता देना और बकाया वेतन देना सही है।

इंडिगो के मनमानेपन पर अंकुश के लिए उठे तीन सरल कदम

जागरण न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली: इंडिगो द्वारा बड़े पैमाने पर उड़ानें रद्द किए जाने से लाखों यात्रियों को हुई परेशानी के बाद सरकार की सरलता दिखने लगी है। इस क्रम में शुक्रवार को कड़ा कदम उठाते हुए डीजीसीए ने अपने चार फ्लाइट इंस्पेक्टरों को



बर्खास्त कर दिया है। दूसरी तरफ, डीजीसीए के बाद प्रतिस्पर्धा आयोग ने भी इंडिगो मामले की जांच शुरू कर दी है। तीसरे कदम के तहत सरकार ने एयरलाइन को 59 करोड़ के जीएसटी बकायों का नोटिस भी थमा दिया है।

डीजीसीए की बड़ी कार्रवाई, चार फ्लाइट इंस्पेक्टर हटाए गए

नई दिल्ली : विमानन सुरक्षा नियामक डीजीसीए ने इंडिगो की उड़ानों में व्यापक व्यवधान के कारण चार फ्लाइट इंस्पेक्टरों को बर्खास्त कर दिया है। फ्लाइट इंस्पेक्टर डीजीसीए के वरिष्ठ अधिकारी होते हैं। इनके पास सुरक्षा व परिचालन मानकों की निगरानी की जिम्मेदारी होती है। ये अधिकारी एयरलाइनों और कर्मियों का निरीक्षण, आडिट और प्रमाणन करके विमानन सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं। डीजीसीए ने निरीक्षण और निगरानी ड्यूटी में लापरवाही पाए जाने के बाद फ्लाइट इंस्पेक्टरों- ऋष राज चटर्जी, सीमा झमनानी, अनिल कुमार पोखरियाल और प्रियम कौशिक को हटा दिया।

डीजीसीए का मानना है कि ये अधिकारी नियमों का पालन करवाने में असफल रहे। नियामक ने कहा कि अनुबंध के आधार पर कार्यरत चारों अधिकारियों को डीजीसीए से मुक्त किया जाता है। नियामक ने इंडिगो के गुरुग्राम कार्यालय में दो विशेष निगरानी दल तैनात किए हैं। संबंधित खबर » 17

डीजीसीए के बाद प्रतिस्पर्धा आयोग ने भी शुरू की जांच

नई दिल्ली : निष्पक्ष व्यापार नियामक संस्था भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) इस बात की जांच कर रहा है कि क्या देश की सबसे बड़ी घरेलू एयरलाइन इंडिगो ने प्रतिस्पर्धा मानदंडों का उल्लंघन किया है। यदि नियमों का उल्लंघन पाया गया तो प्रतिस्पर्धा आयोग कड़ी कार्रवाई कर सकता है। इंडिगो की उड़ानों में भारी व्यवधान के कारण डीजीसीए की जांच पहले से चल रही है। डीजीसीए उड़ानों में व्यवधान की जांच करने के साथ-साथ इंडिगो के संचालन की निगरानी भी बढ़ा रहा है। कुछ हलकों में इस बात को लेकर भी चिंता जताई जा रही है

● सीसीआई नियमों के उल्लंघन पर कर सकता है कार्रवाई

कि क्या घरेलू बाजार में एयरलाइन की मजबूत उपस्थिति भी इसका कारण हो सकती है? बताते चलें, घरेलू बाजार में इंडिगो की 65% से अधिक हिस्सेदारी है। दो दिसंबर से इसने हजारों उड़ानें रद्द कर दी हैं, जिससे लाखों यात्रियों को परेशानी हुई है। एक अधिकारी ने बताया कि भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग आंतरिक रूप से इस बात की जांच कर रहा है कि क्या इंडिगो ने प्रतिस्पर्धा मानदंडों का उल्लंघन किया है।

59 करोड़ के जीएसटी बकायों का इंडिगो को नोटिस

नई दिल्ली : इंडिगो को सीजीएसटी की बकाया देनदारी और जुर्माने के रूप में 59 करोड़ का नोटिस दिया गया है। यह नोटिस दक्षिण दिल्ली सीजीएसटी आयुक्त कार्यालय की तरफ से दिया गया है। जागरण ब्यूरो के अनुसार, कंपनी ने इस मांग को चुनौती देने की बात कही है। शुक्रवार को जारी नियामक रिपोर्ट में कहा गया है कि इंडिगो पर जीएसटी से संबंधित लगभग 59 करोड़ का जुर्माना लगाया गया है। सीजीएसटी आयुक्त ने वित्त वर्ष 2020-21 के लिए एयरलाइन पर 58.74 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। बीएसई

● कंपनी ने कहा-हमारा पक्ष मजबूत, मांग को चुनौती देंगे

को दी गई जानकारी में इंडिगो ने कहा है कि विभाग ने जुर्माने के साथ जीएसटी की मांग भी की है। इसके अलावा हमारा मानना है कि टैक्स सलाहकारों की सलाह के आधार पर हमारा मामला मजबूत है। इंडिगो ने बताया कि कंपनी के बोर्ड ने विभिन्न प्रकार की जांच के लिए स्वतंत्र विशेषज्ञ नियुक्त करने का फैसला किया है। विमानन सेक्टर के विशेषज्ञ कैप्टन जान इलसन को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है।



Corporate Communications Directorate

DAINIK JAGRAN

KANPUR

13 DECEMBER 2025

हैदराबाद की फ्लाइट रही निरस्त

जासं, कानपुर: इंडिगो संकट के बीच गुरुवार को पटरी पर लौटी उड़ानें शुक्रवार को फिर बेपटरी हो गईं। कुल चार में से तीन उड़ानें आईं। हैदराबाद की फ्लाइट निरस्त रही। मुंबई, बेंगलुरु और दिल्ली की उड़ानें नियमित समय पर आईं और गईं। हैदराबाद की फ्लाइट निरस्त होने से यात्रियों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। उनको दूसरी फ्लाइट से हैदराबाद जाना पड़ा।





भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

DAINIK JAGRAN

KANPUR

13 DECEMBER 2025

हवाई किराये की सीमा तय करना एकमात्र समाधान नहीं : नायडू

नई दिल्ली, प्रेटर : नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू ने शुक्रवार को हवाई टिकटों की बढ़ती कीमतों पर चिंता जताते हुए कहा कि असाधारण परिस्थितियों में हवाई किराए की सीमा तय करने का विशेष अधिकार सरकार के पास है, लेकिन यह एकमात्र समाधान नहीं है। लोकसभा में एक निजी सदस्य के प्रस्ताव पर बहस का जवाब देते हुए मंत्री ने विमानों की अनुपलब्धता का भी जिक्र किया और बताया कि भारत में विमान बनाने के लिए बातचीत चल रही है।

इस महीने की शुरुआत में इंडिगो की उड़ानों में व्यवधान के मद्देनजर नागरिक उड्डयन मंत्रालय ने घरेलू हवाई किराये पर दूरी के आधार पर सीमा तय कर दी थी। नायडू ने कहा

कि घरेलू हवाई टिकटों की कीमतें अन्य देशों के बराबर हैं और सरकार के लिए पूरे देश में हवाई किराये की सीमा तय करना व्यावहारिक नहीं होगा। बाजार पर नियंत्रण नहीं होने से अंततः उपभोक्ताओं को लाभ पहुंचता है। हालांकि, त्योहारों के मौसम में टिकटों की कीमतें आमतौर पर बढ़ जाती हैं।

मंत्री ने इस बात पर भी जोर दिया कि नागरिक उड्डयन क्षेत्र के विकास के लिए विनियमन में ढील देना अभी भी महत्वपूर्ण है। यदि हम नागरिक उड्डयन क्षेत्र का विकास चाहते हैं, तो सबसे पहली और सबसे जरूरी शर्त है कि इसे विनियमन मुक्त रखा जाए, ताकि अधिक से अधिक कंपनियां बाजार में प्रवेश कर सकें।



भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

FINANCIAL EXPRESS

DELHI

14 DECEMBER 2025

90% IndiGo ops back to normal

PRESS TRUST OF INDIA
Pune, December 13

ABOUT 90% OF IndiGo's flight operations have returned to normal, Union Minister of State for Civil Aviation Murlidhar Mohol said on Saturday. Speaking to the press in Pune, he said, "Airser-

vices will resume gradually in the country. Prime Minister Narendra Modi ji has issued instructions, and an explanation has been sought from IndiGo."

The Union minister said a four-member committee would be appointed to fix responsibility for the situa-

tion. "Passengers have suffered losses, and the ministry is taking immediate action," Mohol said. IndiGo had earlier cancelled thousands of flights nationwide after failing to plan for tighter safety regulations. The cancellations had peaked on December 5 before declining.

Corporate Communications Directorate

FINANCIAL EXPRESS

DELHI

14 DECEMBER 2025

These AI travel influencers don't want freebies

Social media posts by AI-created travel avatars cost far less to produce, yet look real. Human influencers worry they're being elbowed out

JULIE WEED

RADHIKA'S THICK BLACK hair falls in artfully imperfect waves below her shoulders, the misty hills of northeastern India providing the backdrop to her series of Instagram posts. The young influencer, whose skin looks impossibly flawless, perches at a wooden table at a cafe showing off her lunch, a bowl of saffron-colored noodles, to her nearly 7,500 followers. She rhapsodises about the fiery chutneys, spices and bamboo handicrafts of the region.

But Radhika can't taste those fiery chutneys, smell the spices or buy any souvenirs. And oddly, the person behind her seems to have her head on backward. Radhika is a product of artificial intelligence. Travel companies, tourism boards and other businesses are turning to AI-created influ-

encers like Radhika to lower costs, control messaging and create content more quickly, and human influencers fear they're being elbowed out.

Influencers, who typically amass social media followers with fabulous photos and videos of destinations, have become critical to the travel industry. According to Expedia's 2025 Traveler Value Index, 73% of consumers say an influencer's recommendation has helped them choose a destination, a hotel or another element of a trip. For responders under 40, that number increases to 84%.

Blurring reality

Large travel organisations appear to favour beautiful young women for their AI avatars — there seem to be few, if any, men — and they often blur the line between the

digital and real worlds. Sama, Qatar Airways' AI flight attendant, who represents the airline on its website as well as on social media, wears her onyx hair in a neat bun when she appears in her burgundy uniform, and more casually when she's "off-duty" in her Instagram feed. She looks strikingly lifelike, if a bit too face-tuned. Sometimes she posts to her 328,000 followers as if she is a person, appearing to converse with a real couple aboard a plane and asking if they had remembered to bring her a souvenir magnet from Tanzania. The German National Tourist Board's "digital storyteller," Emma, has shoulder-length blond hair and wears casual clothing, like an oversized sweater. She promotes destinations like the German wine country on social media, including Instagram, where she has 29,600 followers.

Comments on AI influencers' accounts range from heart emojis and words of affir-

mation to attempts to "out" them as AI.

Fear of being replaced

Human influencers, especially those just getting a foothold, are starting to worry. Jen Ruiz, a lawyer turned solo travel expert who posts to nearly 50,000 followers under the Instagram handle Jen on a Jet Plane, said the rise of AI influencers had caused an uproar among content creators "who feel they're being replaced." To make matters worse, she said, it's by "an entity that doesn't share their passion or experience." AI influencers will take audience share, sponsorships and ad revenue from human influencers, said Aida Mollenkamp, who shares her travel and food experiences with 34,000 followers on Instagram. "They'll compete for the same attention spans, and in some cases, they already are," she added.

The shift is starting to affect more established influencers with huge num-

bers of followers. Christiana Ballayan, a lifestyle influencer who posts as kristine_ to more than five million combined followers on TikTok and Instagram, said she had experienced a decrease in available paid work from brands.

Cheaper than live talent

There has been a substantial increase in spending on AI-generated photos, captions and social media avatars by hotel and other travel clients in the United States, Europe and Asia. Creating a travel avatar, say a local guide, with some basic customisation can cost \$500 to \$2,000 with the help of an AI avatar library like Hey Gen. A set of AI-generated imagery and video, showing a hotel in different seasons, for example, costs the same. A "fully synthetic character," an avatar created from scratch with a unique visual design, personality, voice and mannerisms costs \$5,000 to \$10,000, or up to \$15,000 if the AI is constantly learning and updating.



Sama, an AI-created flight attendant, promotes Qatar Airways on social media, assists travellers on brand website

GERMAN NATIONAL TOURIST BOARD'S 'DIGITAL STORYTELLER', EMMA WEARS CASUAL CLOTHING, PROMOTES DESTINATIONS ON SOCIAL MEDIA

DGCA suspends 4 FOIs

Dhairya Gajara

MUMBAI

Aviation safety regulator, the Directorate General of Civil Aviation (DGCA) on Friday suspended four Flight Operations Inspectors (FOIs) in the wake of IndiGo's unprecedented operational meltdown, which triggered the cancellation of thousands of flights this month and left lakhs of passengers stranded across airports nationwide. The action marks the



strongest regulatory intervention yet in the crisis that has shaken domestic aviation and raised serious questions about oversight, manpower planning, and compliance with new pilot rostering rules.

IndiGo's troubles continued

on Friday when the airline cancelled 54 flights from Bengaluru alone, including 31 arrivals and 23 departures, even as disruptions continued across the network. A day earlier, the carrier had scrapped over 200 flights from Delhi and Bengaluru, compounding the chaos for passengers already grappling with long queues, missed connections, and repeated rescheduling.

▶ **Contd on | nation**

DGCA suspends 4 FOIs

Sources later confirmed that the cancellations across the two major airports rose to 150 on Friday, with Delhi accounting for 105 cancellations and Bengaluru for 54.

DGCA sources said the suspended officials—senior personnel tasked with monitoring safety, auditing operations, and certifying pilots and crew—were removed after the regulator concluded they had failed in their responsibility to flag IndiGo's inadequate preparedness for the new Flight Duty Time Limitation (FDTL) norms implemented on November 1. These rules, aimed at reducing pilot fatigue, mandate longer rest periods and rationalised flying hours, and require robust rostering systems that IndiGo appeared unprepared to execute.

FOIs, often experienced pilots themselves, form the backbone of DGCA's safety oversight ecosystem. They check regulatory compliance, evaluate airline training modules, and ensure operational standards are met. Their suspension indicates the regulator suspects lapses not only within the airline but also in its own chain of supervision. An internal order later named the removed officials as Rishi Raj Chatterjee,

Seema Jhammani, Anil Kumar Pokhriyal, and Priyam Kaushik, all of whom were hired on contract and will now return to their parent organisations.

In parallel, the DGCA escalated its scrutiny of IndiGo by stationing officials at the airline's Gurugram headquarters to monitor fleet deployment, crew utilisation, and standby strength in real time. This on-ground oversight follows a marathon appearance by IndiGo CEO Pieter Elbers before the inquiry committee on Thursday. Elbers, along with COO Isidre Porqueras, was summoned again at 2 PM on Friday for a second round of questioning. The four-member probe panel—comprising Joint DG Sanjay Brahamane, Deputy DG Amit Gupta, senior FOI Kapil Manglik, and FOI Lokesh Rampal—has been tasked with identifying the precise operational failures that led to the cascading wave of cancellations.

The Ministry of Civil Aviation, alarmed by the widespread disruption, has already ordered IndiGo to reduce its flight schedule by 10 percent until operations stabilise. Civil Aviation Minister K. Rammoan Naidu has publicly blamed the carrier's gross mismanagement for the crisis, asserting that the rostering issues and delays in adapting to FDTL norms set off the domino effect that paralysed air travel on December 3 and 4.

Even as IndiGo worked to restore operations—operating over 2,000 flights on Friday under a scaled-down network—the airline faced yet another setback: a GST penalty notice of Rs 58.75 crore for the financial year 2020-21 issued by the Delhi South Commissionerate. This marks the third tax-related demand against the company in recent months. IndiGo, in a regulatory filing, said it believes the order is erroneous and intends to challenge it.

Seeking to prevent future crises, IndiGo's board has also appointed US-based consultancy Chief Aviation Advisors LLC, led by aviation veteran Captain John Illson, to conduct an independent root-cause analysis of the disruptions. Illson, who has decades of experience with the FAA, ICAO, IATA, and global carriers, will examine structural, operational, and regulatory gaps.

Meanwhile, concern over the state of aviation safety spilled into Parliament, with Rajya Sabha MP Vikramjit Singh Salhney urging the government to restore stringent safety regulations and cautioning against a monopoly and duopoly in the sector.

Corporate Communications Directorate

FREE PRESS JOURNAL

MUMBAI

13 DECEMBER 2025

Air India's twin-trainers arrive after epic flight

Dhairya Gajara

MUMBAI

Air India welcomed the first two of its 34 twin-engine trainer aircraft that will be used to train cadet pilots at its upcoming flying training organisation (FTO) in Amravati. The two aircraft landed in Amravati on Friday after covering a distance of about 6,700km in an adventurous six-hop journey from Austria.

The two Diamond DA62 aircraft, sporting the airline's bold new livery, touched down at Belora airfield in Amravati on Friday, marking a major milestone for South Asia's largest FTO. The twin-engine aircraft will join 13 single-engine aircraft from Piper Aircraft, which have already arrived in India. In December 2024, Air



India had placed an order for 34 trainer aircraft, including 31 single-engine aircraft from US-based Piper Aircraft and three twin-engine aircraft from Austria-based Diamond Aircraft.

These planes are said to form the backbone of the Amravati FTO which is being developed over 10 acres, with digitally enabled classrooms at par with global academies,

hostels, a digitised operations center and its own maintenance facility to elevate operational efficiency. The FTO is coming up at Amravati's Belora airport and will target to graduate 180 commercial pilots every year.

After training at the Amravati facility, cadets will move to Air India's Aviation Academy in Gurugram for advanced certification to oper-

ate commercial flights.

The delivery flight of the two aircraft was a thrilling feat of global logistics, often referred to as a 'ferry flight'. On December 7, the journey began at the Diamond Aircraft factory in Austria's Wiener Neustadt near Vienna. The two aircraft initially took different paths as one traced the Adriatic coastline, stopping overnight in Croatia's

Dubrovnik and the other took a more picturesque route, hopping over to Mykonos in Greece. They soon joined a common route that spanned roughly 6,700km across six countries, with a logbook that includes Heraklion in Greece to Hurghada in Egypt, Hurghada to Al-Qassim in Saudi Arabia, Al-Qassim to Dubai, Dubai to Muscat and Muscat to Ahmedabad.

According to Air India, most of the legs were flown below 15,000 feet, offering pilots close-up views of the changing landscapes, though they occasionally climbed up to 20,000 feet. The longest single leg of the journey took about 4 hours and 30 minutes. The aircraft landed in Ahmedabad on December 10, to complete crucial import and customs procedures.



Corporate Communications Directorate

HINDUSTAN

DELHI

14 DECEMBER 2025

‘इंडिगो की 90% उड़ानें सामान्य हुईं’

पुणे, एजेंसी। केंद्रीय नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोले ने शनिवार को कहा कि इंडिगो की करीब 90 प्रतिशत उड़ान सेवाएं अब सामान्य हो चुकी हैं। वे पुणे में बुक फेस्टिवल के उद्घाटन के अवसर पर पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे।

मोहोले ने कहा, देश में हवाई सेवाएं धीरे-धीरे पूरी तरह बहाल होंगी। इंडिगो से स्पष्टीकरण मांगा गया है। मंत्री मुरलीधर मोहोले ने बताया कि इस पूरे मामले में जिम्मेदारी तय करने के लिए चार सदस्यीय समिति गठित की जाएगी। उन्होंने कहा कि यात्रियों को नुकसान हुआ है और मंत्रालय इस दिशा में तत्काल कार्रवाई कर रहा है।

Turbulent skies

IndiGo

The airline, which commands a 65% share of India's domestic aviation market, says operations are stabilising after days of chaos that saw hundreds of flight cancellations

Saurabh Trivedi

Over the last decade, India's skies have grown busier than ever. The country has emerged as the world's third-largest domestic aviation market, driven by rapid economic growth, rising middle-class travel and expanding regional connectivity. However, while the number of airports has surged, the number of airlines has shrunk, making IndiGo virtually synonymous with air travel in India.

As per the Directorate General of Civil Aviation (DGCA), IndiGo currently commands a dominant 65% share of the domestic market. The Air India Group – comprising Air India and Air India Express – holds 26%, while Akasa Air has 5%. SpiceJet accounts for just 2%, with all other airlines together making up the remaining 2%.

Several national and regional carriers have struggled to survive in what is often described as the world's fastest-growing aviation market. The collapse of Jet Airways and Go First further accelerated consolidation, allowing IndiGo to significantly expand its footprint.

This dominance, however, has come under scrutiny following recent mass cancellations of IndiGo flights that caused widespread disruption to air traffic across the country. Regulators observed that



AFP

the airline had failed to adequately manage its operational resources, including aircraft availability and pilot crew planning.

In response, authorities decided that IndiGo's approved winter schedule should be reviewed and curtailed by at least 10%.

The issue was also raised in the Rajya Sabha on December 8, where Civil Aviation Minister K. Ram Mohan Naidu said the government would take "very, very strict action" against IndiGo to "set an example" for the industry. The Minister said the disruption stemmed from IndiGo's internal lapses, particularly its failure to manage crew availability and duty rosters.

Mr. Naidu also outlined the implementation of revised Flight Duty Time Limitation (FDTL) norms, introduced following a High Court order in April 2025. Of the 22 guidelines, 15 were implemented from July 1 and the remaining seven from November 1. The updated FDTL norms represent a significant tightening of crew scheduling

regulations. Pilots are now mandated 48 hours of weekly rest, compared to previous rule of 36 hours and night landings have been limited to two from six earlier.

IndiGo board chairman Vikram Singh Mehta, in his message to air passengers, rejected the allegations that the crisis was engineered and that the airline tried to influence the government over the revised FDTL rules.

Flight safety

While airlines argue these measures disrupt roster planning and aircraft utilisation, especially at hubs with heavy night operations, pilot unions maintain that the caps are essential to reduce cumulative fatigue and enhance flight safety.

Financial data highlights the stark contrast within the sector. In a written reply, the Ministry of Civil Aviation said IndiGo was the only major airline to post a profit in FY 2024-25, earning ₹7,253 crore. Air India reported a loss of ₹3,976 crore, Air India Ex-

press ₹5,832 crore, Akasa Air ₹1,986 crore and Alliance Air ₹691 crore. SpiceJet also remained in the red with a ₹56-crore loss, while regional carrier Star Air was a rare exception, posting a modest profit of ₹68 crore. Air India is currently undergoing a massive transformation after being taken over by the Tata Group in 2022.

Meanwhile, IndiGo continues to plan aggressively for the future. The airline has placed a firm order for 500 Airbus A320 Family aircraft – the largest single aircraft order ever placed by any airline with Airbus. These deliveries, scheduled between 2030 and 2035, will further strengthen IndiGo's scale and long-term growth prospects.

Amid regulatory action, IndiGo has said operations are stabilising. Demonstrating "continuous operational normalisation" over the past five days, the airline said it is operating over 2,050 flights a day under its revised, scaled-down schedule in line with government directives. All 138 operational destinations remain connected, according to an IndiGo spokesperson.

As India's aviation sector continues its rapid expansion, the current episode underscores the challenges of balancing growth, safety, competition and accountability in an increasingly consolidated market.



Corporate Communications Directorate

HINDUSTAN TIMES

DELHI

14 DECEMBER 2025

INDIGO FLIGHT TAIL STRUCK DURING RANCHI LANDING

RANCHI: An IndiGo flight suffered a tail strike while landing at the Ranchi airport in Jharkhand, officials said on Saturday.

The incident happened around 7.30pm on Friday when the Bhubaneswar-Ranchi flight was landing with around 70 passengers on board, officials said.

"The tail of aircraft touched the runway during landing. Passengers experienced a sudden jolt. However, they were all safe and unharmed," Ranchi airport director Vinod Kumar told PTI.

The plane was grounded following the incident, as it was found to be technically ineligible for takeoff, he said. "Its next departure from Ranchi to Bhubaneswar was cancelled...," he added.

PTI

Corporate Communications Directorate

INDIAN EXPRESS

DELHI

14 DECEMBER 2025

How aviation sector is tackling rise in GPS jamming and spoofing incidents

Sukaip Sharma

New Delhi, December 13

INCIDENTS OF GPS (Global Positioning System) or global navigation satellite systems (GNSS) interference — jamming and spoofing of signals — have surged in recent years, raising concerns regarding safe and efficient flight operations globally. To be sure, these incidents are common and even expected in airspace over and around conflict zones and tense international borders. However, such incidents are also increasingly being witnessed in other regions.

Earlier this month, the Ministry of Civil Aviation (MoCA) informed the Parliament that such incidents were reported in the vicinity of the Delhi airport, and reports are also being received from other major airports like Mumbai, Bengaluru, Hyderabad, Chennai, Kolkata, and Amritsar. Except for Amritsar, which is close to the India-Pakistan border where GPS interference is not uncommon, such occurrences at other key Indian airports are concerning.

Aviation sector insiders say, such incidents have risen in recent months in India, and its largest and busiest airport in Delhi has been a key target. November particularly saw a number of GPS spoofing incidents around the Delhi airport, it is learnt.

India is not alone though, as

• GPS INTERFERENCE

• Jamming involves overpowering GNSS receivers with strong radio interference, rendering the equipment's navigation temporarily unusable. While it can be accidental, a bulk of instances are deliberate.

• GNSS spoofing is a deliberate act that involves transmitting counterfeit lookalike signals to deceive the receiver into believing that the aircraft position or time, or both, are not what they are supposed to be

GNSS interference is a key challenge that the global aviation industry has been grappling with. Despite mitigation measures, fallbacks, and redundancies to prevent significant harm to flight safety from these interferences, it is a risk that is clear and present, and also evolving.

Spoofing and jamming of crucial signals could potentially disrupt navigation, lead to misrouting of aircraft, and reduce the distance between aircraft. As per European aviation regulator EASA, GNSS interference has become a significant safety risk, particularly in geographical areas surrounding conflict zones and the eastern Mediterranean, West Asia, Baltic Sea, and the Arctic, where it can increase the workload of pilots and air traffic controllers.

The number of GPS signal loss events jumped 220 per cent between 2021 and 2024, as per the data from Global Airline Trade Association IATA's Global Aviation Data Management Flight Data eXchange.

GNSS interference

Aircraft depend on GNSS for position, navigation, and timing (PNT) information, key to aircraft and air traffic management operations. The American GPS is the most popular GNSS. But there are other GNSS as well, such as Europe's Galileo, Russia's GLONASS, and China's BeiDou.

GNSS include ground infrastructure and satellite constellations that provide PNT information by determining the position of a signal receiver. Aircraft are equipped with these receivers, just like modern mobile phones and vehicles equipped with navigational aids. While these systems have a high degree of accuracy, satellite navigation signals are weak and, therefore, vulnerable to interference.

Aircraft GNSS interference can broadly be classified into two categories — jamming and spoofing. Put simply, jamming involves overpowering GNSS receivers with strong radio interference, rendering the equipment's navigation temporarily unusable. While it can be accidental and unintended, or a result of natural causes like solar storms interrupting signals, a

bulk of instances experienced by aircraft are deliberate.

GNSS or GPS spoofing is a deliberate act that involves transmitting counterfeit lookalike signals to deceive the receiver into believing that the aircraft position, time, or both, are not wrong. This could cause abnormal behaviour by certain aircraft systems, and unwarranted warnings — like that of terrain or low altitude — being sounded in the cockpit. Spoofing tells the aircraft it is where it is not supposed to be. It can create confusion in the cockpit.

While theoretically, such interference could pose a credible threat to flight safety, pilots are adequately trained to identify jamming or spoofing, and react calmly and methodically, essentially by cross-referencing the faulty GNSS data with independent data from other systems on the aircraft and on the ground, and air traffic control inputs. They can then switch to other navigational aids and systems independent of the GNSS. In some extreme cases, though, such interference has resulted in rerouting and even diversion of flights. According to experts, since modern aircraft have multiple sensors and ways to establish their position, speed, and altitude, pilots have sufficient resources at their disposal to identify the correct PNT data.

FULL REPORT ON

WWW.INDIANEXPRESS.COM

Corporate Communications Directorate

MORNING STANDARD

DELHI

14 DECEMBER 2025

Even Feb 10 DGCA deadline impossible to meet, say experts

S LALITHA @ New Delhi

WITH the Civil Aviation Ministry giving IndiGo an exemption till February 10, 2026, to implement the revised crew rostering rules, will it be possible for the airline to adhere to it by then? The two-month deadline appears impossible to meet and chaos will return to the skies, caution experts. The 10% temporary cut affected in operations to help tide the current chaos too would be restored adding to its curtailed fleet.

According to a submission made by IndiGo to the DGCA, it presently has 2,357 Flight Captains which is 65 short of its requirement to operate its 403

aircraft. Aviation safety consultant, Captain Mohan Ranganathan posed this rhetorical query to this newspaper, "When an airline could not implement the rules it was supposed to do even after it was given a period of 18 months to do so, how is it possible for it to implement it when an extra two months is given. There will be chaos in the skies again. The Centre will end up extending their exemptions further."

Elaborating on this aspect, he said that pilots cannot be poached from other airlines as the cockpit crew in any airline has to serve a minimum notice period of six months."

Captain Ranganathan ex-



plained that due to better pay and working conditions in the Gulf Region, 55 Senior Flying Officers at IndiGo, who were in line to become Captains, had resigned a few months ago and

IndiGo operates over 2k flights on Saturday

IndiGo is all set to operate over 2,050 flights by the end of Saturday. There were two last minute cancellations on Friday due to "technical reasons." An official statement said that all of its 138 operational destinations have been connected presently, with its on-time performance consistently normal as per its standards.

joined airlines in Gulf this year. "Even if they were to hire expat pilots, they need to get clearances from the Bureau of Civil Aviation Security and Immigration authorities. They

need to be trained again on the specific aircraft IndiGo is operating," he said.

A senior airline executive extensively involved in pilot training, said, "Training a pilot to operate planes is a very elaborate exercise. It takes a minimum of five to six months to train a pilot. And then, specific training is provided for the plane he or she would be assigned to operate." It is understood that this looming deadline and the measures IndiGo is planning are subject of regular discussion between the IndiGo top management and the DGCA during the repeated meetings held this week. IndiGo did not want to make any official comment.

12 XPLAINER

THE SUNDAY STANDARD • NEW DELHI • SUNDAY • 14 DECEMBER 2025

Akasa Air has a market share of around 5%, making it India's third-largest airline. It has a fleet of 31 aircraft. Struggling low-cost carrier SpiceJet has a market share of 2.5%

epaper.morningstandard.in

S LALITHA @ New Delhi

What could be described as an aviation tsunami, market leader IndiGo's brand reputation built on years of punctuality and reliability was reduced to mud this month as it cancelled hundreds of flights due to a mess of its own making. Chaotic scenes at airports of frantic fathers looking for food for their kids, mothers hankering for water, and the elderly barely able to stand in queues shook up the whole aviation industry. The situation has since stabilised though departure cancellations haven't ended yet.

Various explanations have been offered to make sense of the unexpected turbulence — from lax planning to align with a new roster system for the crew's night operations to conspiracy theories on 'engineering' the crisis to force the regulator to bend to its terms as the airline holds virtual monopoly. Curiously, IndiGo appointing an external aviation expert, Captain John Illson, to carry out a root-cause analysis of the massive flight disruptions could suggest that the airline itself isn't completely certain as to where it went wrong. Or is it indulging in window dressing till the dust settles? The jury is out.

Recent images of its CEO Pieter Elbers apologising to Union civil aviation minister K Ram Mohan Naidu with folded hands went viral. With Elbers facing regulatory heat from the Directorate General of Civil Aviation (DGCA), IndiGo chairman Vikram Singh Mehta stepped in to reject charges of engineering the crisis or attempting to influence government rules.

The regulator took the first accountability hit as the DGCA dismissed four of its own Flight Operations Inspectors, who allegedly slept on the job though they were assigned exclusively to oversee IndiGo's transition to the new roster system. The system is aligned with the international Flight Duty Time Limitation (FDTL) rules to enhance aviation safety. It also slashed the permitted volume of the airline's daily flights by 10% to restore order.

Meteoric rise

IndiGo's rise had been nothing short of spectacular. Launched on August 4, 2006, it went on to become a virtual monopoly, capturing about 64% of India's domestic market, with a fleet exceeding 400 aircraft, predominantly from the Airbus A320 family, and around 2,200-2,300 daily flights, before the crisis erupted.

The airline's success stemmed from high aircraft utilisation, punctuality (historically above 90%), and ruthless cost-efficiency. However, this dominance created vulnerabilities: a highly interlinked network where disruptions in one hub created ripples nationwide, and a lean manpower model with minimum buffers in case of crises. By November 2025, IndiGo's on-time performance had already declined to 67.7% from 84.1% in October, signaling emerging strains.

Rostering relook and FDTL

In January 2024, the DGCA revised the FDTL rules, setting out clear limits on the number of hours pilots could be on duty, with specific restrictions on night operations. It also mandated longer rest periods between flights and placed weekly and monthly caps on cumulative flying hours. Airlines were given until June 1, 2024, to implement them.

The framework was designed to bring India's aviation regulations in line with international standards followed by authorities such as the Federal Aviation Administration (FAA) in the United States and the European Union Aviation Safety Agency (EASA). It required a complete overhaul of crew rostering practices and expanding pilot recruitment for full compliance. Framed by the International Civil Aviation Organisation (ICAO) and codified in India's Civil Aviation Requirements (CAR) Section 7, Series J, Part III, FDTL norms include maximum daily flight time of 10 hours during the day and eight hours at night.

Global experience with FDTL

Globally, FDTL is the gold standard for safety regulations. In the US, pilots cannot exceed 100 flight hours in 28 days or 1,000 hours annually. Rest requirements vary by duty start time. Europe's EASA requires that maximum daily flight duty is capped at 13 hours, with mandatory rest periods. In the Middle East, carriers like Emirates and Qatar Airways maintain larger pilot pools to absorb FDTL restrictions.

Industry pushback

The new FDTL rules made 22 changes, including enhancing the weekly rest for pilots from 36 to 48 hours, capping their daily night landings at two (down from six), extending 'night' hours to 6 am (instead of the previous 5 am), and mandating a Fatigue Risk Management System (FRMS) that allowed pilots to decline flights due to exhaustion, without inviting a penalty. Airlines were asked to log fatigue reports quarterly.

By March last year, the entire industry raised concerns about the operational impact of these changes. They argued that the transition period was too short. Through late 2024, carriers operated under the older framework



CAUGHT IN A PERFECT STORM

Lax IndiGo prep to implement new rostering rules, allegedly hoping to leverage its 'monopoly' after massive disruptions, landed it in uncharted territory

despite regulatory prodding to expand pilot recruitment and adjust rosters.

A senior executive of a leading airline told this newspaper, "Any private company runs to make profits. Implementing these rules would force us to hire more pilots to run the same number of aircraft. We are speaking of huge salaries here and it will dent the profits to some extent." As per a rough estimate, each airline needed to hire 20% more pilots for total compliance with the new rules.

The final push for FDTL came from the Delhi High Court, which on April 1, 2025 asked the DGCA to submit the dates for operationalising the new roster. That was when the regulator set the June 1 date for the first phase of the FDTL rollout and December 1 for the second phase.

Deadly December

The IndiGo crisis slowly began snow-

balling from late November. Of the 403 aircraft approved by the regulator, only 339-344 were operational by November-end. On December 1, when FDTL's phase 2 kicked in, IndiGo was unable to implement the new roster system, resulting in an unprecedented chaos affecting approximately 11 lakh fliers over a period of a week. By December 3-4, hundreds of flights were affected daily, with on-time performance dropping sharply to 8.5-19.7%.

The mess peaked on December 5, when approximately 1,600 flights were cancelled nationwide, including all departures from Delhi's Indira Gandhi International Airport until midnight. Major hubs like Bengaluru, Mumbai, Hyderabad and Chennai faced severe disruptions, resulting in chaotic airport scenes with stranded passengers and unclaimed baggage. Disruptions continued on December 6 with 850-1,000 cancellations, though IndiGo op-

erated around 1,500 flights. On December 7, cancellations came down to about 650, with operations rising to 1,650 flights and on-time performance improving to 75%. However, cancellations persisted into the second week, with hundreds affected on December 8-11, tapering off progressively.

Why the logjam

The meltdown stemmed from the compounding of co-related issues, not a singular failure. IndiGo's aggressive 6% schedule expansion despite FDTL constraints, revealed inadequate crew buffering. Rostering software glitches compounded the disruption, as did the onset of winter, network congestion and minor technical hiccups, IndiGo said. Its lean operational model led to underestimation of a 10-15% crew shortfall.

Penalising IndiGo by grounding its entire fleet was out of the question because of its near domestic monopoly. Keeping 'public interest' in mind, the DGCA on December 5 accepted IndiGo's request for a one-time exemption from stringent night duty regulations until February 10 to fix its operational gaps and implement the new FDTL system.

That regulatory lifeline was panned by aviation experts and critics, who saw it as caving to IndiGo's market dominance. The Delhi High Court rebuked the government on December 10 for its inaction, questioning surge pricing by rivals, and scheduling a contempt hearing on December 15 following a petition against the DGCA allowing the aviation major to wade past its FDTL deadline.

Aviation safety consultant Captain Mohan Ranganathan told this newspaper, "IndiGo has exerted enormous influence over the DGCA in the past. They took the whole exercise of implementing the FDTL lightly and thought they could get away with it like they had done so far many issues in the past."

The crisis

Late November to December 1-2: Initial delays and cancellations emerged, attributed to crew rostering issues under new regulations. IndiGo reported over 1,200 cancellations in November alone, many linked to crew constraints.

December 3-4: Cancellations rose sharply, with hundreds of flights affected daily. On-time performance plummeted to 8.5% on December 4 from 19.7% the previous day.

December 5: The peak, with over 1,000-1,600 flights cancelled nationwide, including all departures from Delhi airport until midnight. Major hubs like Bengaluru (124 cancellations), Mumbai (109), Delhi (86), and Hyderabad (66) were hardest hit. Airports witnessed chaos with stranded passengers, unclaimed baggage piles, and protests.

December 6-7: Cancellations continued at 650-800 daily, though IndiGo operated around 1,500-1,650 flights by rebooting schedules. Refunds totalled ₹569-827 crore for 586,000-955,000 affected bookings.

December 8-12: Operations stabilised gradually, with cancellations dropping below 500 by December 8 and network recovery reaching 90-95%.



DUOPOLY GOOD FOR THE INDUSTRY, NOT FOR YOU

ARSHAD KHAN @ New Delhi

INDIA'S aviation sector is not for the faint-hearted. In the last 13 years, three major airlines — Kingfisher Airlines, Jet Airways and GoFirst — ceased operations while numerous smaller players perished in the aftermath of the Covid-19 pandemic. The government also pulled out from this cash-guzzling sector and gave the reins of Air India to its previous owner — the Tata Group. Amid all the shake-up, one airline continued its upward journey and it seemed nothing would interrupt its meteoric rise until last week.

Since its start in the mid-2000s, the low-cost carrier IndiGo has differentiated itself from the herd. The airline's strict financial prudence, record-breaking On-Time Performance, uniformity, and ever-expanding network helped it grow fast and become formidable. IndiGo also navigated the pain caused by the Covid-19 pandemic and expanded its global footprint.

Except for professional issues between its two promoters, it seems whatever IndiGo was doing was destined to succeed. However, the dream run met a reality check last week. IndiGo cancelled more than 5,000 flights since last Tuesday due to a severe crew shortage.

The rise and rise of IndiGo

Launched by Rahul Bhatia of Inter-Globe Enterprises and US aviation veteran Rakesh Gangwal, the former CEO of US Airways, IndiGo took off on August 4, 2006. Most ex-

perts attribute the airline's success to prioritising punctuality and maximum plane turnaround times from day one. Some analysts estimate that IndiGo's cost of operations is 10-15% lower than the competition.

A smart financial tactic — sale-and-leaseback (SLB) — method also fueled its growth. IndiGo bought brand-new jets in bulk from Airbus brand-new jets in bulk from Airbus at a discounted price. It then flipped the aircraft to lessors for instant cash, then rented them back on 6-8 year terms. This kept its fleet among the world's youngest, unlocked funds for rapid scaling, trimmed debt, and saved it from the burden of managing an ageing fleet. All these factors helped in sustaining profit even as fuel prices moved wildly and fixed costs remained at a higher level.

In less than seven years since commencing operations, IndiGo claimed the top spot by domestic market share amid fierce rivalry from full-service rivals. By 2014, IndiGo matched Air India and Jet Airways with a 100-plane fleet and surged past 35% domestic share in FY15. In 2015, the company went public and its IPO raked in over ₹450 million amid massive oversubscription.

What followed next was a price war and cutthroat competition in the Indian skies. IndiGo not only

won this battle but also captured market share from rivals that collapsed one by one. Earlier this year, IndiGo briefly became the world's most valuable airline by market capitalisation, surpassing Delta Air Lines. The carrier also started expanding its international presence, particularly in the short-haul destinations. Now IndiGo has direct flights to Western Europe and rect flights to Western Europe and has plans to go even further.

In 2019, it inked a blockbuster deal for 300 A320neo-family jets, including A321XLRs for extended hops. Post-Covid recovery, 2023 brought a historic 500 A320-family order, the largest-ever by a single airline, plus 60 A350s for long-haul ambitions. Today, IndiGo flies 2,200-2,300 daily flights, holds 64% domestic dominance and has code-shares with many global carriers.

Bleeding losses

India's aviation sector has suffered heavy losses, a key factor behind numerous airline failures over the past 30-35 years. Significantly higher fixed costs, accounting for 55-60% of expenses with minimal flexibility, continue to be the biggest headache for operators. Fuel cost dominates at 30-40%, hit hard by state levies and wild swings amid global conflicts. In November, Aviation Turbine Fuel (ATF) prices were up 4.4% year-on-year.

Leasing aircraft, which are tied to long-term dollar contracts, has now emerged as a tension for carriers as the rupee continues to slide. InterGlobe Aviation, IndiGo's parent, reported a net loss of ₹2,582 crore in Q2FY26 due to adverse currency movements on dollar-denominated obligations. Airport fees, peaking at major hubs like Delhi and Mumbai, add to the pain.

While the intensity of price wars has reduced in the industry, airlines have started taking hits due to geopolitical tensions. Air India in October informed that it has incurred losses of ₹4,000 crore over the past few months due to restrictions on flying over Pakistan since April 2025.

The sector also continues to face supply chain bottlenecks and engine failure-related aircraft groundings, as per ratings agency ICRA. As of March 31, 2025, around 133 aircraft across select airlines were grounded, representing 15-17% of the total industry fleet. These operational setbacks have led to increased costs, including grounding-related expenses, higher lease rentals for replacement aircraft, and reduced fuel efficiency.

The aviation sector's combined financial performance has deteriorated significantly in recent years. While Indian carriers reported a total net loss of ₹924 crore in

Competitors unaffected

Other domestic airlines like Air India, Akasa Air, and SpiceJet maintained cancellation rates below 5% and near-normal operations. Their preparation for phase 2 of FDTL was also spot on. In contrast, IndiGo's dominant position and interconnected hub-and-spoke model amplified disruptions across the network, leaving little margin for error in tight rostering.

Its competitors with lesser market shares and regional operations had greater flexibility in scheduling flights. They reduced schedules, invested in data analytics, and accelerated hiring. Akasa added over 200 pilots in late 2025. Air India began hiring Captains and Flying Officers as soon as it officially took over the airline two years ago, said a spokesperson. "We went all out to recruit pilots... we understood that the new roster would require a massive increase in operational crew."

Captain Sam Thomas, president of the Association of Indian Pilots (ALPA), accused IndiGo of 'slot hoarding' across airports. Slot hoarding involves pre-booking excess slots at runways for take-off and landing in order to block them for their competitors.

Whistleblower's charges

An open letter from an IndiGo whistleblower pilot on December 11 summed up the mood inside the corporate house. "IndiGo didn't collapse in a day. This downfall was years in the making... when night duties were doubled, when new rules were implemented, when leaves were taken away. And the messaging from the top? You're lucky to have a job."

A representative on behalf of IndiGo pilots told this newspaper how experienced pilots were lured by IndiGo from competitors in 2005 with the promise of generous salaries that were substantial for 2005 (₹1.85 lakh for First Officers, ₹3.6 lakh for Captains), but as the fleet expanded those assurances eroded. He alleged unpaid 'deadhead' flights (pilots flying as passengers to reach the bases of their flights to operate them), minimal salary growth over 15 years, and worsening schedules after 2023 when IndiGo became the market behemoth. Reports of stress-related health issues and ignored appeals to the management followed, with insiders warning of deeper unrest if conditions did not improve.

"The first major broken promise was the no layovers guarantee. Pilots were stranded in distant cities after flying without extra compensation. Deadhead flights became mandatory and deadhead compensation was set at the lowest market rate. Delhi-based pilots could be sent to Mumbai for a flight and then immediately deadhead back, all unpaid. Salaries rose just 15% over 15 years."

Road ahead

The IndiGo crisis underscores aviation's tightrope: safety versus capacity. Its market dominance means disruptions have a ripple effect. Aviation experts have urged caution, with some warning that the carrier may not meet the February deadline on full FDTL implementation. As for the airline, it has deep pockets and is expected to weather the storm. Significantly, IndiGo promoter and managing director Rahul Bhatia continues to remain silent. And the regulator hasn't found it fit to question him.

FY2023-24, the figure widened to ₹5,290 crore in FY2024-25.

Data shared by the aviation ministry indicates that Air India sustained a loss of ₹3,975 crore while Air India Express losses stood at ₹5,832 crore in FY25. Akasa Air saw a loss of ₹1,986 crore, and Alliance Air loss came at ₹691 crore. SpiceJet also remained in the red with a ₹55 crore loss. IndiGo, however, reported a profit of ₹7,253 crore in FY25 compared to a ₹8,167 crore profit in the previous fiscal.

The Indian aviation sector is projected to report a wider net loss of ₹9,500-10,500 crore in FY2026. The deterioration is linked to moderating passenger growth coupled with higher deliveries of aircraft, which increase capital and operational expenses.

A mixed bag

India's aviation market has become a playground of two strong players — IndiGo and the Air India Group. IndiGo is India's biggest airline, with a market share of around 64% and a fleet size of 417 aircraft at the end of September. Air India Group, which has a market share of 27%, has a combined fleet of 302 aircraft, including 115 at its budget carrier Air India Express. Air India, owned by India's Tata Group and Singapore Airlines, operates non-stop flights to 39 destinations across five continents.

Most market experts believe having two strong players is good for the industry as this has also led to higher airfares due to reduced competition. However, for consumers, it is worrisome as seen in the latest meltdown at IndiGo.



भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

NAVBHARAT TIMES

DELHI

14 DECEMBER 2025

जिम्मेदारी किसकी? CEO पर कार्रवाई की संभावना कम, छुट्टियों में कटौती बनी संकट की वजह

इंडिगो: टॉप लीडरशिप पर सरकार की नज़र, हटाए जा सकते हैं COO

Maneesh Aggarwal
@timesofindia.com

■ नई दिल्ली: इंडिगो में हालिया फ्लाइट संकट मामले में डीजीसीए के बाद सरकार का इंडिगो की टॉप लीडरशिप पर भी ऐक्शन हो सकता है। सूत्रों के मुताबिक, इस मामले में CEO पीटर एल्बर्स पर कार्रवाई की संभावना कम है, लेकिन चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर COO इस्मिद्रो पोर्केरस ओरिया पर गाज गिर सकती है। बताया जा रहा है कि संकट अचानक नहीं आया, बल्कि लंबे समय से चली आ रही प्रबंधन की अनदेखी इसका कारण बनी। पायलटों की छुट्टियों



नवंबर से उड़ानों में देरी, रद्द होने का सिलसिला शुरू हुआ था।

में कटौती, रोस्टर सिस्टम में बदलाव, चैटबॉट व्यवस्था और क्यू की समस्याएं हल न होने से असंतोष बढ़ा। ▶▶ पेज 17

रिजाइन कर चुके अधिकारी पर कार्रवाई

DGCA ने चार फ्लाइट ऑपरेशंस इस्पेक्टर्स को नौकरी से हटाया था। इनमें से एक कैप्टन अनिल पोखरियाल कैसर से जुड़ा रहे थे और कई दिनों से अस्पताल में थे। खराब स्वास्थ्य का हवाला देते हुए खुद ही कई दिनों पहले रिजाइन कर दिया था। डीजीसीए के एक अधिकारी ने कहा कि मामले में सारी जानकारी ली जाएगी।

DGCA ने वो 4 अफसर हटाए, जो 'टीम' में थे ही नहीं, अब उठे सवाल एक इंस्पेक्टर कैसर से पीड़ित, कुछ दिन पहले कर चुके थे रिज़ाइन

Maneesh Aggarwal
@timesofindia.com

■ नई दिल्ली: इंडिगो संकट के बीच DGCA द्वारा 11 दिसंबर को फ्लाइट ऑपरेशंस से जुड़े चार सीनियर इंस्पेक्टरों को हटाए जाने के मामले में कई चौंकाने वाली बातें सामने आई हैं। सूत्रों के मुताबिक जिन अधिकारियों को हटाया गया, उनमें से एक सादथ दिल्ली में रहने वाले फ्लाइट ऑपरेशंस इंस्पेक्टर (FOI) कैप्टन अनिल कुमार पोखरियाल कैसर से जुड़ रहे हैं और पिछले डेढ़ महीने से बार-बार अस्पताल में भर्ती हो रहे हैं। स्वास्थ्य खराब होने की वजह से उन्होंने कुछ समय पहले ही खुद रिज़ाइन दे दिया था और वे इंडिगो से जुड़े किसी भी काम को नहीं देख रहे थे।

इसके बावजूद DGCA ने बिना उचित जांच किए, उनका नाम भी हटाए गए अधिकारियों की लिस्ट में डाल दिया। इस बारे में जब DGCA के एक सीनियर अधिकारी से बात की गई तो उन्होंने कहा कि इस बारे में पता किया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक कैप्टन ऋषिराज चटर्जी, कैप्टन सोमा शमनानी, कैप्टन अनिल कुमार पोखरियाल और कैप्टन प्रियाम कौशिक उस विंग का हिस्सा ही नहीं थे जो इंडिगो के लिए लघु FDTL (फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशंस) नियमों की मॉनिटरिंग कर रही थी। यह चारों तो केवल सव्नेक्ट मेटर एक्सपर्ट (SME) के तौर पर DGCA में काम कर रहे थे।



24 घंटे में नोटिस के बाद हुई थी बर्खास्तगी

सूत्रों ने बताया कि इंडिगो से जुड़ा मामला 2 दिसंबर को सामने आया लेकिन 10 दिसंबर की शाम 7 बजे तक DGCA चीफ फेज अहमद किदवाई या किसी सीनियर अधिकारी ने इन चारों FOI से कोई बातचीत नहीं की। अचानक 10 दिसंबर शाम 7 बजे कारण बताओ नोटिस दिए गए और बिना उनका पक्ष सुने 11 दिसंबर की शाम 7 बजे उन्हें DGCA से रिलीव कर मूल

जानकारों ने बताया कि FDTL नियमों की निगरानी के लिए DGCA में एक अलग टीम बनाई गई थी। इसमें तीन अधिकारी तैनात थे लेकिन न तो उनका नाम सामने आया और न ही उन पर कोई कार्रवाई हुई। इसके उलट जिन चार FOI को हटाया गया, उनकी

एयरलाइंस में वापस भेजने का आदेश दे दिया गया। उन्हें सफाई देने का भी मौका नहीं मिला। चारों FOI कॉन्ट्रैक्ट पर DGCA में थे और अन्य एयरलाइंस/कंपनियों से आए थे। सूत्रों का कहना है कि यह पूरा कदम DGCA के कुछ सीनियर अधिकारियों की लापरवाही छिपाने के लिए उठाया गया ताकि नीचे के अधिकारियों पर कार्रवाई कर मामला शांत किया जा सके।

भूमिका रोजमर्रा के ऑपरेशन से जुड़ी सूचनाएं इंडिगो से लेकर DGCA तक पहुंचाने और DGCA के आदेश इंडिगो को बताने तक सीमित थी। उन्हें कभी भी पायलटों की संख्या या FDTL अनुपालन की मॉनिटरिंग की जिम्मेदारी नहीं दी गई थी।

इंडिगो लीडरशिप पर होगा ऐक्शन!

इंडिगो संकट मामले में डीजीसीए की कार्रवाई के बाद अब एयरलाइन की टॉप लीडरशिप पर भी ऐक्शन की संभावना बढ़ गई है। सूत्रों के मुताबिक डीजीसीए को कई गंभीर खामियां मिली हैं, जिनसे साफ होता है कि संकट की जड़े अंदर ही अंदर गहराती रही और मैनेजमेंट समय रहते इन्हें समझ नहीं पाया। इसलिए इंडिगो के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर (COO) इंसिद्रो पोर्केरस औरिया को हटाया जा सकता है। इंडिगो के COO के तौर पर नवंबर 2024 में स्पेन के इंसिद्रो ने जिम्मेदारी संभाली थी। पायलटों के साथ पहली डायरेक्ट मीटिंग में उन्होंने साफ कहा था कि वो यहां दोस्त बनाने नहीं, बिजनेस करने आए हैं। उनके आने के बाद कई बड़े बदलाव हुए, जो सिस्टम के खिलाफ साबित हुए। पायलटों और कू की हेल्प टीम से डायरेक्ट बात कर समस्याओं का समाधान करने की प्रक्रिया खत्म कर दी गई और इसकी जगह चैटबॉट ने ले ली। इससे समस्याओं का तुरंत समाधान मिलना बंद हो गया। इसके बाद रोस्टर सिस्टम बदला गया, जिससे नाइट स्टे और ड्यूटी बढ़ने लगी।

Corporate Communications Directorate

PIONEER

DELHI

14 DECEMBER 2025

CM Nitish allocates portfolios of new departments

PIONEER NEWS SERVICE

■ Patna

Bihar Chief Minister Nitish Kumar has allocated portfolios of newly created departments among ministers, keeping Civil Aviation with himself, an official notification said.

The Bihar cabinet on December 9 approved proposals to create three new departments – Youth, Employment and Skill Development Department, Higher Education Department and the Civil Aviation Department – and changed the names of three other departments.

The Animal and Fisheries Resource Department was renamed as Dairy, Fisheries and Animal Resources Department; the Labour Resources Department as Labour Resources and Migrant Workers Welfare Department, and Art, Culture and Youth Department as Art and Culture Department.

According to the notification, issued on December 12, the CM allocated the portfolio of Youth, Employment and Skill Development Department to Sanjay Singh 'Tiger', who is holding the portfolio of Labour Resources and Migrant Workers Welfare Department.

State Education Minister Sunil Kumar has been given the portfolio of the newly created Higher Education Department. The CM has kept the Civil Aviation Department with himself, the notification said. The CM had recently announced on social media platforms the State government's decision to create three new departments.

"We have set a target to provide jobs to one crore youth over the next five years (2025-30). For this, it's essential that more youth be trained for skill development. Instructions have been given to create three new departments: Youth, Employment and Skill Development



Department, Higher Education Department, and Civil Aviation Department," the CM had said.

On the need for a dedicated Higher Education Department, Kumar had said its objective was to "bring about qualitative improvement in learning, promote research and innovation, develop technical and vocational education, and ensure that youth from all sections of society receive quality employment-oriented education".

On the Civil Aviation Department, the CM had written, "All of you know that the construction of several new airports is underway in the State, and in the future, under the UDAN scheme, construction of many new airports has been proposed. The creation of the Civil Aviation Department will accelerate this, enhance the industrial environment, create employment opportunities, and help in the export of products manufactured in the State".

इंडिगो के चार फ्लाइट इंस्पेक्टर निलंबित

नई दिल्ली। इंडिगो के परिचालन में उपजे संकट के 11वें दिन नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने एक बड़ा कदम उठाया है। इसके तहत डीजीसीए ने चार फ्लाइट इंस्पेक्टर को निलंबित कर दिया है।



डीजीसीए ने ये कदम ऐसे समय में

- उड़ानें रद्द होने का सिलसिला जारी
- डीजीसीए ने तेज की जांच

उठाया है जब गुरुवार को ही इंडिगो ने हालिया संकट से प्रभावित हुए यात्रियों के लिए रिफंड के बाद अब अतिरिक्त मुआवजे का एलान किया है। वहीं गुरुवार को ही दूसरी बार इंडिगो के सीईओ पीटर एल्बर्स डीजीसीए के समक्ष पेश हुए। इंडिगो ने शुक्रवार को भी बंगलूरु एयरपोर्ट से 54 उड़ानें रद्द की, जिनमें 31 आगमन और 23

प्रस्थान उड़ानें शामिल हैं। इससे पहले गुरुवार को दिल्ली और बंगलूरु से 200 से अधिक उड़ानें रद्द हो चुकी थीं। हालांकि दूसरी ओर डीजीसीए ने इंडिगो संकट के बीच अपनी जांच तेज कर दी है। अधिकारी एयरलाइन के मुख्यालय पर तैनात हैं और संचालन पर नजर रख रहे हैं। जांच समिति में जॉइंट डायरेक्टर जनरल संजय ब्रह्माने, डिप्टी डायरेक्टर जनरल अमित गुप्ता, वरिष्ठ एफओआई कपिल मंगलीक और एफओआई लोकेश रामपाल शामिल हैं। समिति का काम इंडिगो में बड़े पैमाने पर संचालन में हुई गड़बड़ी के कारणों की पहचान करना है।

Corporate Communications Directorate

TELEGRAPH

KOLKATA

13 DECEMBER 2025



An IndiGo staff member tags stranded luggage at Delhi airport. (Reuters)

IndiGo crisis axe on DGCA 4

OUR SPECIAL
CORRESPONDENT

New Delhi: The directorate-general of civil aviation has removed four of its flight operations inspectors, who monitor airlines' compliance with regulatory and safety norms, following the large-scale IndiGo flight disruptions this month.

IndiGo on Friday announced the appointment of an external aviation expert to review and assess the recent operational crisis.

A statement from the aviation regulator said: "...The following FOIs under various categories, on contract basis, in DGCA are hereby relieved from DGCA with immediate effect to join their respective parent organisations."

IndiGo crisis axe on 4 DGCA officials

► FROM PAGE 1

Sources confirmed that these four officials, hired on contract from the aviation sector by the DGCA, had been removed in connection with the IndiGo mayhem.

Flight operations inspectors are senior officials who are part of the DGCA's regulatory and safety oversight regime, and are often deployed to monitor airline operations.

They ensure aviation safety by inspecting, auditing and certifying that airlines and personnel—such as pilots, dispatchers and cabin crew—do meet the regulatory standards. They are expected to oversee training, flight standards, and accident prevention measures.

IndiGo announced that it had appointed a consultancy—Chief Aviation Advisors, led by Captain John Illson—to ascertain the root cause that led to thousands of its flights being cancelled or delayed since December 2. It said this

would also provide opportunities for improvement.

Captain Illson has more than four decades' experience working with the US Federal Aviation Administration, International Civil Aviation Organisation and the International Air Transport Association, apart from major global carriers.

"With an illustrious track record in global air transport, he (Illson) brings extensive expertise in global aviation strategy, customised consulting, safety leadership, setting international standards, and new aircraft technologies," IndiGo said.

The decision follows a recommendation from IndiGo's crisis management group, constituted by the airline's board, to commission an independent expert review.

"With the board's approval now in place, the review will begin at the earliest, and the independent expert reviewer will submit a comprehensive report to the board upon completion," an IndiGo spokesperson said.

Corporate Communications Directorate

TIMES OF INDIA

DELHI

14 DECEMBER 2025

AI eyes 275 extra Dec flights, seeks long-term plan

New Delhi: Air India has offered to explore operating 275 additional flights this month in wake of govt-ordered 10% capacity cut for IndiGo. The Tata Group airline has asked aviation ministry, which is likely to finalise the route curtailment over the weekend itself, for a long-term plan so that it acts accordingly, reports **Saurabh Sinha**. "There are about 1,600 IndiGo routes of which we are cutting at least 10%. A final decision will be taken by Sunday or Monday. Some of these routes will be given to Air India, AI Express and Akasa. We can't allow people to suffer in peak travel season. As this is a way to check a single airline's domination," said a senior govt official. SpiceJet may also operate some extra flights.

Sources said AI sought clarity from govt about how long the current situation would play out. "In the short term, we are exploring operating 275 extra flights this month on routes that bear the maximum brunt (of IndiGo cuts). Whenever possible, we operate our widebody Boeing 777 between Delhi and Mumbai. We want to know how long this (IndiGo cuts) will continue so that accordingly we can act. The short-term addition is coming from the spare capacity we had in our existing system," said sources. Other airlines have seen a major jump in aircraft occupancy after the IndiGo fiasco.

Meanwhile, IndiGo operated over 2,600 flights for the second day running Saturday "as per the revised, scaled-down schedule." An IndiGo statement said, "...We have informed all our airport partners to publish the new flight schedules of the adjusted network on terminal screens to avoid any confusion. With over 3.2 lakh customers (dealing) daily with us daily, we are grateful for the confidence they continue to place in us." Aviation secretary **Samir Kumar Sinha** has majorly upped the scale of Air Sesa, govt's complaint redress forum, so that issues of affected IndiGo passengers can be addressed quickly.

Officials probing the IndiGo fiasco said the airline had denied pilot shortages. "Probe is on. What we have observed so far is a mix of several things like not having a buffer in pilot numbers to meet any sudden increased requirement; a headache for the airline that it can't manage the situation created by the new crew duty rules (which have now been put in abeyance for IndiGo A320 pilots till Feb 20) and a breakdown in management-pilot relations," they said.



भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

TIMES OF INDIA

DELHI

14 DECEMBER 2025

IndiGo flight suffers tailstrike on landing

Ranchi: An IndiGo flight from Bhubaneswar, with 69 passengers on board, made a hard landing at Ranchi airport Friday night. Its impact damaged the aircraft's tail as it struck the runway. The aircraft remained grounded on Saturday, prompting inspection and safety checks by experts, reports **Dhrubajyoti Malakar**. Airport director Vinod Kumar said, "While landing, flight 6E-7361's tail touched the runway because of a technical problem. All 69 passengers are safe and no injuries were reported."



भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

TIMES OF INDIA

AHMEDABAD

13 NOVEMBER 2025

AI Express eyes IndiGo pilots, its own aviators up in arms

Saurabh.Sinha

@timesofindia.com

New Delhi: IndiGo troubles are having a ripple effect on India's big airlines. Air India group's attempt to fish in the budget carrier's troubled waters by coming out with an ad for experienced Airbus A320 captains has created anxiety within the former's ranks, especially of Air India Express.

The reason: AI Express' under-utilised A320 pilots fear a swelling of their ranks will lead to further decline in their flying hours and adversely affect pay. Close to 100 pilots have so far written to the management of Tata Group's low-cost carrier (LCC) so far to oppose the proposed induction. IndiGo is the world's largest operator of the A320 family of planes.

AI Express currently has a fleet of 110 aircraft, of which 76 are Boeing 737s and the remaining 34 are A320 family planes of Air India and AirAsia India. At least 10 of these A320s will be returned to lessors early next year. While the airline will induct more A320s, the time lag in doing so will mean fewer flying hours — or getting the bare minimum 40 hours' fly-

ing allowance. AI Express, which has about 1,600 pilots, has its A320 aviators up in arms. "We've consistently been informed over the past year that the group is surplus on A320 captains, which has also been the basis for maintaining the 40-hour contract and declining the requested 70-hour contract... please clarify the reason for initiating recruitment now," the letters

say. "Many LCC A320 captains are flying 40 hours or less. Why proceed with external recruitment when internal utilisation remains low?... With multiple recent resignations across the A320 fleet... is there a plan to prioritise retention or re-engagement before hiring externally? Won't any additional recruitment at this stage further impact existing captains' ability..." they said.



भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण
AIRPORTS AUTHORITY OF INDIA

Corporate Communications Directorate

TRIBUNE

DELHI

14 DECEMBER 2025

IndiGo operates over 2K flights, cancellations dip

NEW DELHI, DECEMBER 13

Days after widespread flight disruptions triggered passenger outrage, regulatory scrutiny and forced the airline to scale down its schedule under government directions, IndiGo on Saturday claimed that its operations have stabilised, asserting five consecutive days of normal performance across its network. The airline said it is operating more than 2,050 flights a day, connecting all 138 destinations, and has seen only a limited number of same-day cancellations, largely due to technical reasons.

In a statement, IndiGo said its on-time performance has remained "consistently normal" by its own standards and dismissed reports of large-scale cancellations as misleading.

Data shared by the airline shows that IndiGo operated over 1,700 flights on December 8 with one cancellation. This rose to more than 1,800 flights on December 9 with no cancellations, over 1,900 flights on December 10 with two cancel-

AIRCRAFT SUFFERS TAIL STRIKE, GROUNDED

■ An IndiGo aircraft operating the Bhubaneswar-Ranchi sector suffered a tail strike while landing at the Ranchi airport on Friday evening, prompting the airline to ground the plane and cancel its onward flight.

■ The incident occurred around 7.30 pm when the aircraft was in the final phase of landing. Airport officials said the tail of the aircraft made contact with the runway, causing a sudden jolt that was felt inside the cabin.

lations, and more than 1,950 flights on December 11 with four cancellations. On December 12, the airline said it operated over 2,050 flights with two cancellations, while a similar volume is expected on Saturday till mid night. The airline said all cancellations were caused by technical issues and that affected passengers were immediately re-accommodated on alternate flights. —TNS

